RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः30 , शनिवार, 14 मार्च 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

80 किलो चरस बरामदगी केस में आरोपियों की रिहाई पर जांच, तीन सदस्यीय कमिटी गठित 03

अररेाज में 'किडजी' प्री-स्कूल का उद्घाटन, पूर्व विधायक राजन तिवारी ने किया शुभारंभ 04

ऋषिकेश में ट्रेकिंग ट्रिप पर पहुंचीं निकिता दत्ता 07

संक्षिप्त समाचार

अब बिना लाइसेंस नहीं बेच पाएंगे दूध,होगी कार्रवाई

- मिलावट की घटनाओं को देखते हुए एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में दूध और डेरी उत्पादों में बढ़ती मिलावट की शिकायतों को देखते हुए भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने दूध उत्पादन और उसकी बिक्री के लिए लाइसेंस अनिवार्य कर दिया है। डेरी सहकारी समितियों के सदस्यों को लाइसेंस नहीं लेना होगा यानी जो किसान या पशुपालक किसी रजिस्टर्ड सहकारी

समिति से जुड़े हैं और उन्हें दूध देते हैं, उन्हें व्यक्तिगत रूप से अलग लाइसेंस लेने की आवश्यकता नहीं होगी। इसके लिए एफएसएसएआई ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य खाद्य आयुक्तों को एडवाइजरी जारी की है। नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। एफएसएसएआई ने बताया कि कुछ दूध उत्पादक और दूध विक्रेता खुद को पंजीकृत किए बिना या लाइसेंस लिए बिना कारोबार कर रहे हैं। इसके लिए राज्य के खाद्य आयुक्तों से कहा गया है कि पंजीकरण-लाइसेंसिंग की जरूरतों का सख्ती से पालन किया जाए।

बंधक बनाए गए नगा समुदाय के 21 लोग मुक्त

- मणिपुर सरकार और केंद्र के साझा प्रयासों को मिली सफलता

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले में बंधक बनाए गए तंगखुल नगा समुदाय के सभी 21 लोगों को गुरुवार को रिहा कर दिया गया। मणिपुर के गृह मंत्री गोविनदास कोंथौजम ने गुरुवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बंधक बनाए गए नागरिकों को बचाने में मदद की। तंगखुल मणिपुर की सबसे बड़ी नगा जनजाति है। कोंथौजम ने विधानसभा में कहा कि बंधकों को गुरुवार सुबह बातचीत और केंद्रीय बलों के हस्तक्षेप के बाद मुक्त किया गया। मंत्री ने कहा कि बुधवार को कुछ हथियारबंद नगा युवकों ने कथित तौर पर थवाई कुकी गांव में घुसकर किसानों की झोपड़ियों को जला दिया और कुकी समुदाय के दो लोगों का अपहरण कर लिया था। जैसे ही अपहरण की खबर फैली, हथियारबंद कुकी लोगों ने इंफाल-

उखरुल रोड पर शांगकाई में 21 तंगखुल नगाओं को ले जा रहे तीन वाहनों को रोक लिया और उन्हें बंधक बना लिया। नागरिकों को बचाने के लिए सीमा सुरक्षा बल के नेतृत्व में केंद्रीय बलों को भेजा गया था, लेकिन स्थानीय महिलाओं ने उन्हें रास्ते में रोक लिया। बाद में शाम को सेना ने उस क्षेत्र को घेर लिया जहां 21 तंगखुल नगा बंधक बनाए गए थे। मंत्री ने सदन को यह भी बताया कि बुधवार शाम 6.30 बजे से रात नौ बजे के बीच मैपितेल क्षेत्र में गोलीबारी की रिपोर्टें मिली थीं। कुकी समुदाय के एक व्यक्ति लानमिनथांग किपगेन को पैर में गोली लगी।

भारत में बन रहे हैं 6,600 मेगावाट के परमाणु संयंत्र

- वर्ष 2031-32 तक बदल जाएगी देश की ऊर्जा सूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिजली मंत्री मनोहर लाल ने गुरुवार को लोकसभा को बताया कि देश में लगभग 6,600 मेगावाट की परमाणु ऊर्जा क्षमता के संयंत्र निर्माणाधीन है। उन्होंने यह भी कहा कि 12,723.50 मेगावाट की जलविद्युत परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। 4,274 मेगावाट की जलविद्युत परियोजनाएं योजनाओं के विभिन्न चरणों में हैं और 2031-32 तक पूरा होने का लक्ष्य है। मनोहर लाल ने लिखित उत्तर में कहा कि

6,600 मेगावाट क्षमता के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण 2029-30 तक पूरा होने का लक्ष्य है। सात हजार मेगावाट क्षमता के अन्य परमाणु संयंत्र योजना और अनुमोदन के विभिन्न चरणों में है। भारत की वर्तमान परमाणु क्षमता 8,780 मेगावाट से अधिक है। 11,620 मेगावाट/69,720 मेगावाट-घंटे की पंप स्टोरेज परियोजनाएं (पीएसपी) निर्माणाधीन हैं। 6,580 मेगावाट/39,480 मेगावाट घंटे की क्षमता वाली पीएसपी को मंजूरी मिल चुकी है। 9,653.94 मेगावाट/ 26,729.32 मेगावाट-घंटे की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएस) का निर्माण कार्य चल रहा है।

सीईसी को हटाने के लिए विपक्ष ने दिया नोटिस

- 200 से अधिक विपक्षी सांसदों ने कर दिए हैं साइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्ष ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के प्रस्ताव के लिए शुक्रवार संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में नोटिस दिए।

इस नोटिस पर 200 से अधिक सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। सूत्रों ने बताया कि नोटिस में सात बिंदु हैं। नोटिस में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ सात आरोप लगाए गए हैं, जिनमें पद पर रहते हुए पक्षपातपूर्ण और भेदभावपूर्ण आचरण चुनावी धोखाधड़ी की जांच में जानबूझकर बाधा डालना और बड़े पैमाने पर मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करना जैसे आरोप शामिल हैं।

लोकसभा के 130, राज्यसभा के 63 सांसदों के हो गए हैं हस्ताक्षर

न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि लोकसभा के 130 सांसदों ने और राज्यसभा के 63 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। विपक्ष के एक नेता ने बताया कि सांसदों ने नोटिस को लेकर काफी उत्साह दिखाया और आवश्यक संख्या पूरी हो जाने के बाद भी गुरुवार को कई सांसदों हस्ताक्षर किए। नियमों के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए नोटिस पर लोकसभा के कम से कम 100 सांसदों और राज्यसभा के 50 सांसदों के हस्ताक्षर आवश्यक होते हैं। एक अन्य सूत्र के अनुसार, इस नोटिस पर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सभी दलों के सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के सांसदों ने भी नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं, हालांकि पार्टी अब आधिकारिक रूप से इस गठबंधन का हिस्सा नहीं है। यह पहली बार है जब मुख्य निर्वाचन आयुक्त को हटाने के लिए इस तरह का नोटिस दिया गया है। विपक्षी दलों ने कई मौकों पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की मदद करने का आरोप लगाया है। खासकर मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर।

तेहरान में अलविदा जुमा पर जबरदस्त धमाका

- इजरायल के खिलाफ जुटे थे हजारों,मच गई अफरातफरी

तेहरान (एजेंसी)। ईरान की राजधानी तेहरान में चल रहे विरोध प्रदर्शन के बीच धमाका हुआ है। यह

ब्लास्ट उस वक्त हुआ, जब तेहरान के फिरदौसी चौक पर हजारों लोग ईरान और अमेरिका के खिलाफ प्रदर्शन करने जुटे थे। आज ईद से पहले का आखिरी जुमा है, जिसे अलविदा जुमा कहा जाता है। इस कारण भी प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। इस दौरान जब धमाका हुआ तो दहशत फैल गई और लोग मौके से भागते नजर आए। इस धमाके के पीछे ईरानी एजेंसियों को इजरायल का हाथ होने का शक है। अब तक धमाके की वजह सामने नहीं आई है, लेकिन इजरायल ने हमलों की चेतावनी दी थी। ऐसे में माना जा रहा है कि यह धमाका भी इजरायल ने ही किया है। यह धमाका ऐसे वक्त में हुआ, जब ईरान में अलविदा जुमा मनाया जा रहा है। ईद से पहले के आखिरी जुमा के दिन खूब भीड़ जुटी थी और इसी दौरान यह धमाका हुआ।

थम नहीं रहा एलपीजी सिलेंडर का संकट

- 2 हजार का कॉमर्शियल सिलेंडर 4 हजार में बिक रहा
- पंजाब में सिलेंडर लेकर सड़क पर भागते दिखी जनता

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में एलपीजी की किल्लत हो गई है। गैस एजेंसियों के बाहर लम्बी लाइनें हैं। गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी भी हो रही है। कई जगहों पर 2 हजार का कॉमर्शियल सिलेंडर 4 हजार में बिक रहा है।

वहीं पंजाब में लोग सिलेंडर लेकर भागते नजर आए। केरल में करीब 40 फीसदी रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर है। उधर, दिल्ली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एलपीजी सप्लाई की बिगड़ी स्थिति को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। विरोध जताने के लिए अपने साथ मिट्टी के चूल्हे लेकर आए थे।

राजस्थान में गैस सप्लाई ठप, सिलेंडर की शवयात्रा निकाली- होटल-रेस्टोरेंट में गैस का स्टॉक खत्म होने से बिजनेस ठप होने लगे हैं। कई जगह ताले भी लटकने लगे हैं। वहीं कोटा समेत कई शहरों में हॉस्टल मेस और ढाबों में मजबूरी में लकड़ी, कोयले और इलेक्ट्रिक चूल्हों पर खाना बनाया जा रहा है।

- **गुजरात में 3 से 4 हजार रुपए में बिक रहे कॉमर्शियल सिलेंडर-** कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की भारी कमी की वजह से यहां ये ब्लैक में 3 से 4 हजार रुपए में बिक रहे हैं। गैस सिलेंडरों की अनुपलब्धता के कारण कुछ व्यापारियों को अपना कारोबार बंद करना पड़ा है। कुछ व्यापारी गैस सिलेंडरों के स्थान पर कोयले के चूल्हे पर काम चला रहे हैं। हालांकि, कोयले के चूल्हे पर खाना पकाने में अधिक समय लगने के चलते कारोबार में गिरावट आई है।

- **उत्तर प्रदेश में चूड़ी से लेकर पेठा फैक्ट्रियां तक बंद-** यूपी में फैक्ट्रियों को गैस सप्लाई नहीं हो रही है। इसका असर पॉटरी, चूड़ी से लेकर पेठा फैक्ट्रियों तक पड़ रहा। बुलंदशहर में एशिया के सबसे बड़े पॉटरी उद्योग पर पड़ा है। यहां 300-325 यूनिट में से 95 फीसदी पॉटरी यूनिट बंद हैं। 30 हजार से ज्यादा वर्कर्स बेरोजगार हो गए हैं। यही हाल फिरोजाबाद में बनने वाली चूड़ियों और आगरा की पेठा फैक्ट्रियों का है। गैस की सप्लाई नहीं मिलने से भट्ठियां बंद हैं। 55 बड़ी फैक्ट्रियों में से 40 बंद हो चुकी हैं। अगर गैस की सप्लाई शुरू नहीं हुई तो आगरा में बनने वाली चांदी की पायल पर भी संकट आ सकता है।
- **एमपी में ऑनलाइन बुकिंग ठप...वेटिंग 7-8 दिन बढ़ी-** मध्य प्रदेश में एलपीजी सिलेंडर की ऑनलाइन बुकिंग लगभग ठप है। सर्वर डाउन होने से भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन, जबलपुर समेत पूरे प्रदेश में लोग सिलेंडर की बुकिंग नहीं कर पा रहे हैं। वेटिंग 7 से 8 दिन तक पहुंच गई है। गैस एजेंसियों में लोगों की भीड़ लगी हुई है। इधर गैस की किल्लत के बीच इंडक्शन की कीमतें दोगुनी हो गई हैं। भोपाल में इसकी बिक्री 7 गुना तक बढ़ गई है।
- **महाराष्ट्र में हर जिले में बनेगा कंट्रोल रूम और कमेटी-** राज्य में एलपीजी की बिना रुकावट सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम और कमेटियों का गठन किया है। खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने अधिकारियों को गैस वितरण व्यवस्था पर पैनी नजर रखने को कहा है। वहीं कई ग्राहकों ने ऑनलाइन और फोन पर सिलेंडर बुक किए हैं, लेकिन उन्हें समय पर डिलीवरी नहीं मिल रही है। इस वजह से पिछले कुछ दिनों में गैस एजेंसियों के सामने लंबी लाइनें लगी है। कई जगहों पर लोग सुबह एजेंसियों के खुलने से पहले ही कतारों में खड़े हैं।

महिलाओं का करियर खत्म हो जाएगा, कोई नौकरी भी नहीं देगा

- 'पीरियड्स लीव' की याचिका पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत की दो टूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उस जनहित याचिका पर विचार करने से साफ इनकार कर दिया, जिसमें कामकाजी महिलाओं और छात्राओं के लिए देशव्यापी मासिक धर्म अवकाश लागू करने की नीति बनाने की मांग की गई थी। शीर्ष अदालत ने एक अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर इस तरह का प्रावधान कानूनन लागू कर दिया गया, तो कंपनियां महिलाओं को नौकरी देने से कतराएंगी और इससे अनजाने में महिलाओं के प्रति लैंगिक रूढ़िवादिता को ही बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, अदालत ने याचिका का निपटारा करते हुए यह स्पष्ट किया कि सरकार और संबंधित अधिकारी इस मामले में सभी हितधारकों से परामर्श करके नीति बनाने की संभावना पर विचार कर सकते हैं। इस मामले की सुनवाई मुख्य

न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ कर रही थी। पीठ ने टिप्पणी की करते हुए कहा- ये याचिकाएं महिलाओं को कमतर आंकने के लिए होती हैं।

- **महिलाओं का करियर खत्म हो जाएगा-** अदालत ने कहा- स्वैच्छिक रूप से (अपनी मर्जी से) छुट्टी देना बहुत अच्छा है। लेकिन जैसे ही आप कहते हैं कि यह कानूनन अनिवार्य है, तो कोई उन्हें नौकरी नहीं देगा। कोई भी उन्हें न्यायपालिका या सरकारी नौकरियों में नहीं रखेगा; उनका करियर खत्म हो जाएगा। यह जनहित याचिका शैलेंद्र मणि त्रिपाठी द्वारा दायर की गई थी। उनकी ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एमआर शमशाद ने अदालत को बताया कि कुछ राज्यों और संस्थानों ने पहले ही इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाए हैं।

रिश्वत लेने के मामले में अंचल कार्यालय का प्रभारी प्रधान लिपिक दोषी करार, तीन वर्ष की सजा

पटना। निगरानी थाना कांड संख्या 73/2008 (विशेष वाद संख्या 50/2008) में पटना के निगरानी न्यायालय ने अंचल कार्यालय दिनारा (जिला रोहतास) के प्रभारी प्रधान लिपिक राम नरेश प्रसाद को भ्रष्टाचार के मामले में दोषी ठहराया है। शुक्रवार को निगरानी के माननीय न्यायाधीश मो. रूस्तम ने उन्हें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 तथा धारा 13(2) सह पठित धारा 13(1)(डी) के तहत सजा सुनाई। मामले के अनुसार, परिवादी राम बहादुर सिंह (पिता- स्व. उजागर सिंह), निवासी ग्राम रेही, थाना दिनारा, जिला रोहतास से दाखिल-खारिज के कार्य के बदले राम नरेश प्रसाद द्वारा 8 हजार रुपये रिश्वत की मांग की गई थी। शिकायत के बाद निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने कार्रवाई करते हुए 25 सितंबर 2008 को उन्हें 8 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। इस मामले की जांच तत्कालीन अनुसंधानकर्ता श्रीकांत राय, पुलिस निरीक्षक, निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना द्वारा की गई थी, जिन्होंने समय पर आरोप-पत्र दाखिल किया। वहीं बिहार सरकार की ओर से विशेष लोक अभियोजक अमर नाथ पाठक ने प्रभावी पैरवी करते हुए आरोपी को दोषसिद्ध कराने में सफलता प्राप्त की। न्यायालय ने आरोपी राम नरेश प्रसाद को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत तीन वर्ष सश्रम कारावास और 25 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है। इसके अलावा धारा 13(2) सह पठित धारा 13(1)(डी) के तहत भी तीन वर्ष सश्रम कारावास और 25 हजार रुपये अर्थदंड लगाया गया है। अर्थदंड नहीं देने की स्थिति में एक माह का साधारण कारावास भुगतना होगा। दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2026 में अब तक भ्रष्टाचार के पांच मामलों में न्यायालय द्वारा दोषसिद्धि हो चुकी है। ब्यूरो द्वारा भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी है।

क्रॉस वोटिंग या फिर 'दक्षिणा' के भरोसे हैं उपेंद्र कुशवाहा

बिहार में होगा खेला,अब भी तस्वीर नजर आ रही धुंधली

पटना (एजेंसी)। बिहार से राज्यसभा की पांच सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होगा। चुंकि पांच सीटों पर छह उम्मीदवार हैं इसलिए मतदान होगा। मतदान होगा तो एनडीए के पांचवें उम्मीदवार के लिए 3 वोट कम पड़ जाएंगे। एनडीए का यह पांचवां उम्मीदवार तभी जीतेगा जब 3 विधायक क्रॉस वोटिंग करें या फिर पांच या इससे अधिक विधायक मतदान में गैरहाजिर हो जाएं। छठे

उम्मीदवार राजद के अमरेन्द्रधारी सिंह तभी जीत सकते हैं जब एआईएमआईएम के पांच और बसपा के एक विधायक उन्हें वोट दें। इसकी तस्वीर अभी साफ नहीं है। इसलिए मतदान के दिन इधर से उधर होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। क्रॉस वोटिंग के लिए किसी दल के विधायक टूट सकते हैं। बिहार में 2010 और 2014 में ऐसा हो चुका है। 2010 में तो राजद के दो विधायक जानते थे कि यदि क्रॉस वोटिंग की तो दल से निकाल दिया जाएगा, फिर भी उन्होंने ऐसा किया।

- भारत के अलावा अन्य देशों को भी दी खरीदारी में ढील

युद्ध के बीच रूसी तेल पर नरम अमेरिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के साथ इजरायल और अमेरिका का युद्ध लगातार भीषण होता जा रहा है। इसके चलते अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गईं। कीमतों को बढ़ता देख अमेरिका ने रूसी तेल के प्रति अपनी नरमी दिखाई है। पहले अमेरिका ने दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल के उपभोक्ता भारत को रूस से तेल खरीदने की 30 दिनों की अस्थायी अनुमति दी थी, कुछ वैसी ही ढील अब अमेरिका ने कई अन्य देशों को भी दी है। दरअसल, अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि तेल की बढ़ती कीमतों के बीच, ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन ने दूसरे देशों को समुद्र में फंसे रूसी तेल को खरीदने के लिए एक अस्थायी अनुमति की घोषणा की है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ईरान से ग्लोबल एनर्जी मार्केट में स्टेबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए अहम कदम उठा रहे हैं और आतंकवादी ईरानी शासन

यूएस युद्ध के जल्दी खत्म होने के कोई संकेत नहीं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और सरकार में वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने गुरुवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा,राष्ट्रपति ट्रंप से पैदा हुए खतरे और अस्थिरता से निपटने के लिए कीमतें कम रखने के लिए काम कर रहे हैं। स्कॉट बेसेंट ने कहा,मौजूदा सप्लाई की ग्लोबल पहुंच बढ़ाने के लिए अमेरिका ने ऐसा किया।

- **कच्चे तेल की खरीद की वजह से नहीं होगा रूस को फायदा-** स्कॉट बेसेंट ने कहा कि इस रूसी तेल की खरीद की वजह से रूसी सरकार को कोई खास फाइनेंशियल फायदा नहीं होगा। स्कॉट बेसेंट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की एनर्जी के लिए नीतियों ने यूएस में तेल और गैस का प्रोडक्शन रिकॉर्ड लेवल पर पहुंचाया है, जिससे मेहनती अमेरिकियों के लिए फ़्यूल की कीमतें कम हुई हैं। तेल की कीमतों में टेम्पररी बढ़ोतरी एक शॉर्ट-टर्म और टेम्पररी रुकावट है, जिससे लंबे समय में हमारे देश और अर्थव्यवस्था को बहुत फायदा होगा। यूएस ने 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से बढ़ रही तेल की कीमतों को कम करने की कोशिशों के तहत भारत को भी रूसी तेल खरीदने के लिए बैन से छूट दी थी। इसका ऐलान 5 मार्च को किया गया।

संक्षिप्त समाचार

गैस एजेंसियों की जांच के दौरान अवैध रिफिलिंग का खुलासा, दुकानदार गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। नगर निगम क्षेत्र मोतिहारी में गैस एजेंसियों की व्यवस्था की जांच के लिए अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी निशांत सिहारा ने विभिन्न गैस एजेंसियों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एजेंसी संचालकों को सख्त निर्देश दिया गया कि गैस सिलेंडर की डिलीवरी उपभोक्ताओं को निर्धारित सरकारी दर पर ही की जाए। अतिरिक्त राशि वसूलने की शिकायत मिलने पर संबंधित एजेंसी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। अनुमंडल पदाधिकारी ने यह भी कहा कि जिन उपभोक्ताओं ने पहले से गैस सिलेंडर के लिए नंबर लगाया है, उन्हें समय पर गैस उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान में गैस सिलेंडर की आपूर्ति सामान्य है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। निरीक्षण के दौरान प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी भी मौजूद थे। इस दौरान ईदगाह रोड स्थित मठिया जीरात में चंपारण जनरल स्टोर पर छापेमारी की गई, जहां अवैध रूप से गैस सिलेंडर की रिफिलिंग की जा रही थी। छापेमारी में तीन खाली सिलेंडर तथा एक सिलेंडर में लगभग 7–8 किलोग्राम गैस भरी हुई बरामद की गई। इसके साथ ही चार नोजल और 11 छोटे रेगुलेटर भी जब्त किए गए। मामले में दुकान संचालक आसिफ अनवर को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ छतौनी थाना में प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है तथा दुकान को सील कर दिया गया है। अनुमंडल पदाधिकारी ने आम उपभोक्ताओं से अपील की है कि गैस की कमी से जुड़ी किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। जिला प्रशासन लगातार इसकी निगरानी और समीक्षा कर रहा है।

अल्पसंख्यक छात्राओं और छात्रों को मिलेगा सरकारी लाभ

आवेदन के लिए 23 मार्च तक का अंतिम अवसर

बीएनएम @ बेतिया। पश्चिम चम्पारण जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय ने मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत शेष रहे छात्र-छात्राओं के लिए अंतिम अवसर प्रदान किया है। विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार, वर्ष 2025 में फौकानिया (मैट्रिक) में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण सभी छात्र-छात्राओं तथा इंटर और मौलवी में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण केवल छात्राओं को प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।योजना का लाभ लेने के लिए पात्र विद्यार्थियों को 23 मार्च 2026 तक अपने आवेदन और आवश्यक दस्तावेज जैसे अंक-पत्र, आधार कार्ड, बैंक पासबुक और निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति जमा करना अनिवार्य है। जिला कार्यालय ने सभी मदरसों और विद्यालयों के प्रधानों को निर्देशित किया है कि वे आवेदनों का सत्यापन कर निर्धारित समय तक कार्यालय में जमा कराना सुनिश्चित करें। विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि वित्तीय वर्ष की समाप्ति के बाद शेष राशि वापस चली जाएगी, जिसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा। अधिक जानकारी हेतु बेतिया स्थित कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

बेतिया में लगेगा रक्तदान शिविर कल

बीएनएम @ बेतिया। पश्चिम चम्पारण जिले में रक्त की कमी को दूर करने और जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आगामी 15 मार्च 2026 को पुलिस लाइन, बेतिया में एक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सुबह 11 बजे से शुरू होने वाले इस अभियान में जीएमसीएच बेतिया की कुशल चिकित्सा टीम, चिकित्सकों और अत्याधुनिक उपकरणों के साथ मौजूद रहेगी, ताकि सुरक्षित तरीके से रक्त संग्रह किया जा सके।इस मानवीय पहल का मुख्य लक्ष्य आपातकालीन स्थिति में मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना और युवाओं सहित पुलिसकर्मियों को इस नेक कार्य के लिए प्रेरित करना है। जिला पदाधिकारी ने रक्तदान को 'महादान' बताते हुए जिले के सभी सरकारी सेवकों, सामाजिक संगठनों और युवाओं से इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की भावुक अपील की है। शिविर के दौरान विशेषज्ञों द्वारा रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर किया जाएगा और इसके स्वास्थ्य लाभों के बारे में भी शिक्षित किया जाएगा। यह अभियान जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

डॉ. राहुल राज ने गोपालगंज के विद्यालयों का किया दौरा

बीएनएम @ पटना। सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के भावी प्रत्याशी डॉ. राहुल राज ने गोपालगंज जिले के विभिन्न विद्यालयों का दौरा कर शिक्षकों के साथ सीधा संवाद किया। आगामी विधान परिषद चुनाव के मद्देनजर उन्होंने शिक्षकों से समर्थन और सहयोग की अपील की। इस दौरान गोपालगंज जिला माध्यमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों और शिक्षकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।भ्रमण के क्रम में डॉ. राहुल राज ने जिला शिक्षा पदाधिकारी योगेश कुमार से शिष्टाचार मुलाकात की और शिक्षकों की ज्वलंत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में मुख्य रूप से सभी विद्यालयों में एक समान आवास भत्ता (HRA) लागू करने, लंबित पदोन्नति के पत्र निर्गत करने, विभिन्न श्रेणियों के शिक्षकों के बकाये (एरियर) का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने और माध्यमिक विद्यालयों में प्रभारी की नियुक्ति जैसे गंभीर मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। डॉ. राहुल राज ने शिक्षकों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के कई वरिष्ठ नेता और शिक्षक प्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

12 करोड़ की लागत से संवरेगा मनिहारी गंगा तटः सांसद

बीएनएम @ कटिहारः केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कटिहार सांसद तारिक अनवर को पत्र लिखकर सूचित किया है कि मनिहारी में गंगा रिवर फ्रंट विकास परियोजना का कार्य तीव्र गति से चल रहा है। 'राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन' (नमामि गंगे) के अंतर्गत संचालित इस महत्वाकांक्षी परियोजना की कुल लागत लगभग 12 करोड़ रुपये है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य गंगा तटों का सौंदर्यीकरण, बेहतर उपयोग और क्षेत्र के आर्थिक-सामाजिक विकास को बढ़ावा देना है।परियोजना की वर्तमान स्थिति के अनुसार, निर्माण कार्य का लगभग 63% हिस्सा पूरा हो चुका है और मंत्रालय ने शेष कार्यों को शीघ्र ही संपन्न करने का प्रस्ताव रखा है। जिला कांग्रेस कमेटी के अनुसार, सांसद तारिक अनवर के निरंतर प्रयासों और केंद्र सरकार के साथ सक्रिय संवाद के कारण इस योजना को गति मिली है। रिवर फ्रंट का निर्माण पूर्ण होने के बाद न केवल श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि गंगा की स्वच्छता और संरक्षण की दिशा में भी यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

दिव्यांगों को मिली बैटरी चलित ट्राईसाइकिल

बीएनएम @ बेतिया। पश्चिम चम्पारण जिले के सुदूरवर्ती ठकराहां प्रखंड में मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण योजना 'संबल' के अंतर्गत एक सराहनीय पहल की गई है। प्रखंड में पहली बार चार दिव्यांगजनों—जग मुखिया, संतोष गुप्ता, भृगुन राम और शगुन राम को बैटरी चलित ट्राईसाइकिल प्रदान की गई, जिससे क्षेत्र के दिव्यांगजनों में हर्ष का माहौल है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य ४० प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे शिक्षा या स्वरोजगार के लिए सुगमता से आवागमन कर सकें।लाभुक संतोष गुप्ता, जो भतहवा चौक पर होटल चलाते हैं, ने बताया कि इस वाहन से अब उन्हें बाजार से सामान लाने में काफी सुविधा होगी। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने जानकारी दी कि चार अन्य पात्रों के लिए भी ट्राईसाइकिल स्वीकृत हो चुकी है, जिनका वितरण इसी माह के अंत तक कर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, प्रशासन दिव्यांगों की सहायता के लिए आगामी १८ मार्च और अप्रैल में प्रखंड परिसर में विशेष मेडिकल बोर्ड शिविर का आयोजन करेगा। इस शिविर में दिव्यांगता प्रमाण पत्र और यूडीआईडी कार्ड बनाने के साथ-साथ जरूरतमंदों को व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र और वैशाखी जैसे सहायक उपकरण भी उपलब्ध कराए जाएंगे। वर्तमान में सभी पंचायतों में सर्वे कर पात्र लोगों की सूची तैयार की जा रही है ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँच सके।

'जनता के दरबार में जिला प्रशासन' कार्यक्रम में 41 आवेदनों की हुई सुनवाई

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन सभागार में शुक्रवार को आयोजित 'जनता के दरबार में जिला प्रशासन' कार्यक्रम के तहत जिले के विभिन्न अंचलों से आए लोगों की समस्याओं की सुनवाई की गई। कार्यक्रम में कुल 41 आवेदनों पर अधिकारियों ने विचार किया। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में अपर समाहर्ता (लोक शिकायत) की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने आवेदकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अपर समाहर्ता विभागीय जांच मो. शिबगतुल्लाह, वरीय उप समाहर्ता विकास कुमार सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे और प्राप्त आवेदनों पर सुनवाई की। सुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए अपर समाहर्ता शैलेंद्र कुमार भारती ने कहा कि सभी आवेदनों पर संबंधित विभागों के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी तथा समस्याओं का शीघ्र और विधिसम्मत समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भूमि विवाद, अतिक्रमण, राजस्व से जुड़े मामलों सहित अन्य प्रकार की शिकायतें प्राप्त हुईं। इन आवेदनों को त्वरित कार्रवाई के लिए संबंधित पदाधिकारियों को भेजने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि 'जनता के दरबार में जिला प्रशासन' कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका समयबद्ध समाधान करना है, ताकि लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें त्वरित न्याय मिल सके।

मोतिहारी में स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य शुरू, धर्म समाज रोड से हुआ शुभारंभ

बीएनएम @ मोतिहारी

नगर निगम मोतिहारी द्वारा शहर में बेहतर रोशनी और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में पहल करते हुए वार्ड संख्या 13, 15 और 17 में स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। इस योजना का शुभारंभ धर्म समाज रोड, मीना बाजार से किया गया। नगर निगम के अनुसार इस पहल का उद्देश्य शहर की सड़कों को अधिक सुरक्षित, उज्ज्वल और सुगम बनाना है, ताकि रात के समय नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। नगर निगम प्रशासन का कहना है कि जल्द ही निगम क्षेत्र के अन्य सभी वार्डों में भी स्ट्रीट लाइट अधिष्ठापन कार्य को तेजी से पूरा किया जाएगा, जिससे पूरे शहर में बेहतर रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम के दौरान महापौर प्रीति कुमारी, उप महापौर लालबाबू प्रसाद, निगम पार्षद प्रतिनिधि मो. कलाम तथा नगर निगम के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। नगर निगम प्रशासन ने कहा कि मोतिहारी को स्वच्छ, सुंदर और समृद्ध बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, और इसी कड़ी में शहर की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है।

घर में चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार; साइकिल व तीन मोबाइल बरामद

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र के दामोवृति गांव में 7 मार्च को एक घर से हुई चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए चोरी की एक साइकिल और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार दामोवृति गांव स्थित एक घर से 7 मार्च को तीन मोबाइल फोन और एक साइकिल चोरी हो गई थी। मामले में पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर हरेंद्र शाह (पिता– पन्नालाल शाह), जो कबाड़ी का काम करता है, को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसकी दुकान से चोरी की साइकिल बरामद की। पूछताछ के दौरान हरेंद्र शाह ने बताया कि उक्त साइकिल उसे कोटवा निवासी बिट्टू कुमार (पिता– हरिंदर कुमार) ने बेच दी थी। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कोटवा से बिट्टू कुमार को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से चोरी के तीन मोबाइल फोन बरामद हुए, जो हरसिद्धि क्षेत्र से चुराए गए थे। पुलिस पूछताछ में बिट्टू कुमार ने स्वीकार किया कि वह नशे की लत का शिकार है और इसी कारण चोरी की घटनाओं को अंजाम देता है। पीड़ित व्यक्ति के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए भेज दिया गया है। इस संबंध में प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। चोरी की साइकिल और मोबाइल फोन बरामद कर लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है।

धोखाधड़ी मामले में अदालत का फैसला, आरोपी को तीन वर्ष का कारावास

बीएनएम @ मोतिहारी

धोखाधड़ी के एक मामले में न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। यह फैसला मोतिहारी पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों और दाखिल चार्जशीट के आधार पर सुनाया गया। माननीय न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी की अदालत ने नगर थाना कांड संख्या 130/24 (टीआर संख्या 3566/24, जीआर संख्या 907/24) में अभियुक्त राधा मोहन कुमार, पिता संटू सहनी, निवासी कोरल सुन्दरपट्टी थाना पकड़ीदयाल, जिला पूर्वी चंपारण को विभिन्न धाराओं में दोषी पाया। न्यायालय ने धारा 420 आईपीसी के तहत तीन वर्ष का कठोर कारावास और पांच हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है। जुर्माना अदा नहीं करने पर तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। वहीं धारा 419 आईपीसी के तहत दो वर्ष का कठोर कारावास और दो हजार रुपये जुर्माना, तथा जुर्माना नहीं देने की स्थिति में दो माह का साधारण कारावास की सजा दी गई है। इसके अलावा धारा 414 आईपीसी में एक वर्ष का कठोर कारावास और एक हजार रुपये जुर्माना तथा धारा 379 आईपीसी में एक वर्ष का कठोर कारावास और दो हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई गई है। जुर्माना नहीं देने पर प्रत्येक मामले में एक-एक माह का साधारण कारावास भुगतना होगा। न्यायालय ने सभी सजाओं को एक साथ चलाने का आदेश दिया है। इस मामले के वादी नगर थाना के पुलिस निरीक्षक राकेश कुमार भास्कर (सह-थानाध्यक्ष) थे, जबकि कांड के अनुसंधानकर्ता पुलिस अवर निरीक्षक करण सिंह थे। अभियोजन की ओर से अधिवक्ता सबिया ने अदालत में प्रभावी पैरवी की।

30 हजार रुपये रिश्वत लेते डेयरी फील्ड ऑफिसर गिरफ्तार

बीएनएम @मोतिहारी/बेतिया @ राकेश कुमार

निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार की टीम ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पश्चिमी चंपारण जिले में डेयरी फील्ड ऑफिसर को 30 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की मुख्यालय टीम ने 13 मार्च 2026 को इस कार्रवाई को अंजाम दिया। निगरानी थाना कांड संख्या 31/26, दिनांक 10 मार्च 2026 के तहत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7(ए) के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। गिरफ्तार अधिकारी की पहचान अनुराग अभिषेक उर्फ अनुराग कुमार, डेयरी फील्ड ऑफिसर, जिला डेयरी विकास कार्यालय, पश्चिमी चंपारण (बेतिया) के रूप में हुई है। निगरानी टीम ने उन्हें 30 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए जिला डेयरी विकास कार्यालय से ही गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता बलदेव कुमार, पिता शंभू प्रसाद जायसवाल, ग्राम डीकेटो सेरवा, पोस्ट गोडही, प्रखंड गौनाहा, थाना मटियरिया, जिला पश्चिमी चंपारण ने निगरानी अन्वेषण ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि समग्र गव्य विकास योजना 2025-26 के तहत पशु खरीद के बाद मिलने वाली अनुदान राशि के भुगतान के लिए आरोपी अधिकारी फाइल आगे बढ़ाने के एवज में 30 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहे थे। निगरानी ब्यूरो ने शिकायत का सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि होने के बाद ट्रैप टीम का गठन किया गया। इसके बाद टीम ने जाल बिछाकर आरोपी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। निगरानी ब्यूरो के अधिकारियों ने बताया कि आरोपी से पूछताछ के बाद उसे विशेष न्यायालय, निगरानी, मुजफ्फरपुर में प्रस्तुत किया जाएगा। मामले में आगे की अनुसंधान कार्रवाई जारी है।

नशीली दवाओं की बिक्री की सूचना पर ढाका में तीन मेडिकल स्टोर पर छापेमारी

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले के ढाका बाजार में नशीली दवाओं की बिक्री की सूचना पर प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीन मेडिकल स्टोर पर छापेमारी की। यह कार्रवाई शुक्रवार को अनुमंडल पदाधिकारी सिकरहना (ढाका) के नेतृत्व में की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना मिली थी कि ढाका बाजार के कुछ दवा दुकानों में प्रतिबंधित और नशीली दवाओं की बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर अनुमंडल पदाधिकारी ने औषधि निरीक्षक सुशील कुमार, रईस आलम और राकेश सिंह के साथ थाना अध्यक्ष ढाका की मौजूदगी में संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान ढाका बाजार स्थित उपकार मेडिकल, न्यू इंडिया मेडिकल तथा बिंदा मेडिकल स्टोर की गहन जांच की गई। जांच के क्रम में नारकोटिक्स से संबंधित करीब दस प्रकार की दवाओं के सैंपल जब्त किए गए। इसके अलावा लगभग पचास अन्य प्रकार की संदिग्ध दवाओं के नमूने भी जांच के लिए लिए गए। छापेमारी दल ने बताया कि जब्त किए गए सभी दवाओं के नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद यदि दवाओं की बिक्री नियमों के विरुद्ध पाई जाती है तो संबंधित दवा प्रतिष्ठानों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अब बाज़ारों में मिलेगी ताजी और हाइजेनिक मछलीः डीएम

बीएनएम @बक्सर

मत्स्य व्यवसाय को आधुनिक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जिला प्रशासन ने एक प्रभावी कदम उठाया है। शुक्रवार को जिला पदाधिकारी साहिला द्वारा मत्स्य परिवहन वाहन योजना 2025-26 के अंतर्गत सात थ्री-व्हीलर ई-रिक्शा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य मछुआरों और मत्स्य विक्रेताओं को स्वावलंबन प्रदान करना और उनके आर्थिक स्तर को सुधारना है।इन ई-रिक्शा में लगे आइस बॉक्स की सहायता से मछलियों को जल स्रोतों से बाजार तक सुरक्षित, स्वच्छ और हाइजेनिक तरीके से पहुँचाया जा सकेगा। इससे न केवल मछलियों की बर्बादी रुकेगी, बल्कि उपभोक्ताओं को भी उचित मूल्य पर ताजी मछली उपलब्ध होगी। योजना की वित्तीय संरचना के अनुसार, प्रति यूनिट 3 लाख रुपये की लागत तय की गई है, जिसमें सरकार द्वारा 50 प्रतिशत अनुदान (सब्सिडी) दिया जा रहा है और शेष 50 प्रतिशत राशि लाभुक द्वारा वहन की जाएगी। यह योजना पारंपरिक मत्स्य पालन को आधुनिक तकनीक से जोड़कर मछुआरों की आय बढ़ाने और ग्राहकों का विश्वास जीतने में मील का पत्थर साबित होगी।

एसएसबी–पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

71वीं वाहिनी एसएसबी के कार्यक्षेत्र अंतर्गत समवाय मुख्यालय महुआवा को सूचना मिली कि कुछ अज्ञात व्यक्ति बाइक से अफीम जैसे प्रतिबंधित मादक पदार्थ के साथ चंद्रमन गांव स्थित भगत सिंह गेट के रास्ते भारत में प्रवेश करने वाले हैं। सूचना मिलते ही समवाय प्रभारी ने एक विशेष नाका दल का गठन किया और महुआवा पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई शुरू की। संयुक्त टीम ने चंद्रमन गांव के भगत सिंह गेट पर वाहनों की सघन जांच शुरू की। इसी दौरान रात करीब 9:30 बजे नेपाल की ओर से आ रही एक बाइक पर सवार दो व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगे। सतर्कता दिखाते हुए संयुक्त दल ने पीछा कर एक व्यक्ति को पकड़ लिया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान बीरगु यादव, पिता वकील राय, निवासी पचपुखरिया, थाना महुआवा, प्रखंड आदापुर, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 1.945 किलोग्राम अफीम जैसा प्रतिबंधित मादक पदार्थ बरामद किया गया। एसएसबी और पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार आरोपी तथा बरामद मादक पदार्थ को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए महुआवा थाना को सौंप दिया है। मामले में पुलिस द्वारा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

वाहन जांच के दौरान दो युवक देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में पुलिस ने वाहन जांच अभियान के दौरान दो युवकों को अवैध देशी कट्टा और मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 12 मार्च 2026 को लालबेगिया पुल के पास वाहन जांच की जा रही थी। इसी दौरान संदिग्ध स्थिति में खड़े दो युवकों को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान रवि कुमार के जींस पैंट के अंदर टी-शर्ट में छिपाकर रखा गया एक लोहे का देशी कट्टा बरामद किया गया। कट्टा की बैरल में लकड़ी लगी हुई थी, जिसकी लंबाई करीब सात अंगुल तथा बट की लंबाई लगभग पांच अंगुल बताई गई है। इस पर सिल्वर रंग का पेंट किया गया था। गिरफ्तार युवकों की पहचान रवि कुमार (पिता–चंदू सिंह) और कार्तिक कुमार (पिता–तारकेश्वर सिंह), दोनों निवासी बड़ा जयरामपुर, थाना चिरैया, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से काले और लाल रंग के स्टीकर लगी स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (नंबर BR05BE3360) भी बरामद की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर जितेश कुमार पाण्डेय, पुलिस निरीक्षक अनिल कुमार सिन्हा (अंचल मुफ्फसिल), थानाध्यक्ष मो. शारुख, परि०पु०अ०नि० बलबीर कुमार, पीटीसी कृष्णा प्रसाद, जिला आसूचना इकाई मोतिहारी तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

वाहन जांच में 945 बोतल नेपाली शराब बरामद, कार जब्त

बीएनएम @ मोतिहारी। बिहार में लागू शराबबंदी कानून के तहत पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में पचपकड़ी थाना क्षेत्र में रात्रि गश्ती और वाहन जांच के दौरान पुलिस ने बड़ी मात्रा में नेपाली शराब बरामद की है। पुलिस के अनुसार जांच के दौरान एक मारुति सुजुकी कार की तलाशी ली गई, जिसमें से 945 बोतल नेपाली शराब बरामद हुई। बरामद शराब की कुल मात्रा लगभग 283.5 लीटर बताई गई है। पुलिस ने मौके से वाहन को जब्त कर लिया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है तथा शराब तस्करी से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

शराब पीकर हंगामा कर रहे आठ लोग गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने और शराबबंदी कानून के पालन को लेकर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में जितना थाना क्षेत्र में शराब के नशे में हंगामा कर रहे आठ लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सभी आरोपियों के खिलाफ शराबबंदी कानून के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भोपतपुर में विशेष छापेमारी, सात वांछित आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। भोपतपुर थाना क्षेत्र में बिहार पुलिस ने एक विशेष छापेमारी अभियान चलाकर विभिन्न अपराध मामलों में वांछित सात वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि TR नंबर-47/25, भोपतपुर थाना कांड संख्या-19/18 के तहत वारंटी अनिल यादव, सुभाष यादव, सुनील यादव और राकेश यादव, सभी पिता हरी यादव, निवासी भोपतपुर अहीरौलिया को गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार TR नंबर-994/25, भोपतपुर थाना कांड संख्या-163/14 के वारंटी मैनेजर सहनी और नगीना सहनी, दोनों पिता स्व. माधो सहनी, निवासी भोपतपुर को भी दबोच लिया गया। इसके अलावा TR नंबर-953/25, भोपतपुर थाना कांड संख्या-68/17 के वारंटी भरत राय, पिता स्व. रामअनूप राय, निवासी जसौली को भी पुलिस ने हिरासत में लिया। गिरफ्तार सभी वारंटियों के खिलाफ अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है और उन्हें न्यायिक प्रक्रिया के तहत पेश किया जाएगा।

80 किलो चरस बरामदगी केस में आरोपियों की रिहाई पर जांच, तीन सदस्यीय कमिटी गठित

तत्कालीन थानाध्यक्ष, अनुसंधानकर्ता और अभियोजन पदाधिकारी की भूमिका भी जांच के घेरे में

सागर सूरज/ मृत्युंजय पाण्डेय

मोतिहारी/सुगौली। पूर्वी चंपारण जिले के सुगौली थाना क्षेत्र में वर्ष 2024 में दर्ज करीब 80 किलो चरस बरामदगी के चर्चित मामले में गिरफ्तार तीनों आरोपियों की रिहाई के बाद पुलिस प्रशासन ने पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तीन सदस्यीय जांच कमिटी का गठन किया है, जो पूरे मामले की विस्तृत समीक्षा करेगी।

जानकारी के अनुसार 21 मार्च 2024 को सुगौली थाना के तत्कालीन थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर मुन्ना कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि नेपाल की ओर से मोटरसाइकिल के माध्यम से मादक पदार्थ की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने छोटा बंगरा के पास टोल प्लाजा के समीप घेराबंदी कर वाहन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध युवकों को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उनके पास से बड़ी मात्रा में चरस बरामद होने का दावा किया गया। इसके आधार पर सुगौली थाना कांड संख्या 123/24 दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था।

इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों में राजकिशोर सिंह पिता मोहन सिंह निवासी छोटा बंगरा थाना सुगौली, विकास सिंह पिता रामजी सिंह तथा विवेक कुमार पिता पंकज सिंह शामिल थे। बरामदगी की मात्रा करीब 80 किलो चरस बताई गई थी और मामला एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज किया गया था, जिसे गंभीर अपराध माना जाता है।

हालांकि बाद में अदालत से तीनों आरोपियों को रिहाई मिल गई। आरोपियों की रिहाई के बाद पुलिस की जांच प्रक्रिया, जब्ती सूची और साक्ष्यों को लेकर कई सवाल उठने लगे। सूत्रों के अनुसार केस डायरी, जब्ती सूची और साक्ष्य संकलन में संभावित त्रुटियों के कारण मामला अदालत में मजबूती से प्रस्तुत नहीं हो सका, जिसके कारण आरोपियों को राहत मिल गई।

इसी को देखते हुए पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने पूरे मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमिटी गठित की है। इस कमिटी में डीएसपी मुख्यालय, साइबर डीएसपी और सदर एसडीपीओ को शामिल किया गया है। कमिटी को तत्कालीन अनुसंधानकर्ता, थानाध्यक्ष और मामले से जुड़े अभियोजन पदाधिकारी की भूमिका की भी जांच करने का निर्देश दिया गया है।

जांच कमिटी केस से जुड़े सभी दस्तावेज, जब्ती सूची, साक्ष्य और केस डायरी की समीक्षा करेगी तथा संबंधित पुलिस अधिकारियों से पूछताछ भी करेगी। यदि जांच में किसी प्रकार की लापरवाही या मिलीभगत सामने आती है तो दोषी पाए जाने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई, निलंबन या प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई भी की जा सकती है।

गौरतलब है कि जिले में मादक पदार्थ बरामदगी से जुड़े मामलों में पहले भी कई बार जांच और विवाद सामने आ चुके हैं। ऐसे में इस मामले की जांच रिपोर्ट पर पुलिस विभाग और आम लोगों की नजरें टिकी हुई है।

मोतिहारी इंजीनियरिंग कॉलेज में 'NCACE' राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के सिविल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से आयोजित प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन "NCACE – National Conference on Advances in Civil Engineering" का शुभारंभ कॉलेज परिसर में किया गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में हो रहे नवीन शोध, तकनीकी नवाचार और आधुनिक निर्माण तकनीकों पर राष्ट्रीय स्तर पर विचार-विमर्श के लिए मंच उपलब्ध कराना है। सम्मेलन के चेयरमैन डॉ. नीरज कुमार, अनिल कुमार एवं छोटू कुमार हैं, जिनके मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस दौरान मुख्य अतिथि जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल (आईएएस), विशिष्ट अतिथि प्रो. (डॉ.) संजय श्रीवास्तव, प्राचार्य डॉ. नवनीत कुमार तथा सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्राध्यापकगणों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. नवनीत कुमार ने कहा कि इस प्रकार के राष्ट्रीय सम्मेलन शोध, अध्ययन और व्यावहारिक अनुभवों के आदान-प्रदान के लिए महत्वपूर्ण मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह सम्मेलन निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में नए नवाचारों को बढ़ावा देगा। मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) संजय श्रीवास्तव, कुलपति महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी ने कॉलेज प्रशासन और सिविल इंजीनियरिंग विभाग की सराहना करते हुए कहा कि देश में तेजी से हो रहे आधारभूत संरचना विकास के दौर में ऐसे सम्मेलन नई तकनीकों और शोध को साझा करने का बेहतर अवसर देते हैं। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने भी विद्यार्थियों की रचनात्मकता और नवाचारपूर्ण सोच की प्रशंसा करते हुए कहा कि नई तकनीकों को अपनाना और निरंतर सीखते रहना आज के समय की आवश्यकता है। इस अवसर पर सिविल इंजीनियरिंग विभाग के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री आशीष कुमार पाठक, एमडी अरमान अली, घौसुल आजम अंसारी, अनिल कुमार तथा सुशांत कुमार सहित कई शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अफरा तफरी के बीच पांच दिन बाद सोनबरसा गैस एजेंसी में एलपीजी की आपूर्ति

» पुलिस की मौजूदगी में 350 सिलेंडर वितरित

बीएनएम @ मोतिहारी

हरसिद्धि थाना क्षेत्र के सोनबरसा पंचायत स्थित हरसिद्धि इंडियन ग्रामीण वितरक गैस एजेंसी में पांच दिनों तक आपूर्ति बाधित रहने के बाद शुक्रवार को एलपीजी सिलेंडरों का वितरण शुरू किया गया। लंबे समय से गैस नहीं मिलने के कारण उपभोक्ताओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। जानकारी के अनुसार पिछले पांच दिनों से एजेंसी पर एलपीजी की सप्लाई नहीं पहुंच रही थी। इसके कारण क्षेत्र के सैकड़ों उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था और लोग रोजाना गैस एजेंसी का चक्कर लगा रहे थे। शुक्रवार को छठे दिन गैस से भरी गाड़ी एजेंसी के गोदाम पर पहुंची, जिसके बाद सिलेंडर वितरण शुरू किया गया। एजेंसी संचालक देवलाल शाह ने बताया कि गैस की गाड़ी पहुंचने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में उपभोक्ता गोदाम पर पहुंच गए। सिलेंडर लेने की जल्दी में लोग एक साथ आगे बढ़ने लगे, जिससे कुछ समय के लिए भीड़ बेकाबू हो गई और वितरण व्यवस्था प्रभावित हो गई। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वितरण प्रक्रिया को दो-तीन बार रोकना पड़ा। स्थिति को देखते हुए एजेंसी की ओर से हरसिद्धि थाना को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार के निर्देश पर दरोगा अनिल सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने लोगों को समझाकर लाइन में खड़ा कराया, जिसके बाद वितरण की प्रक्रिया दोबारा शुरू कराई गई। बताया गया कि गैस की गाड़ी में घरेलू उपभोक्ताओं के लिए करीब 350 से 360 सिलेंडर पहुंचे थे। पिछले कई दिनों से आपूर्ति बंद रहने के कारण मांग अधिक थी, जिससे काफी भीड़ जमा हो गई। वहीं कुछ उपभोक्ताओं को ऑनलाइन बुकिंग और ओटीपी नहीं मिलने की समस्या के कारण सिलेंडर नहीं मिल सका और उन्हें निराश होकर लौटना पड़ा। स्थानीय लोगों ने कहा कि गैस की अनियमित आपूर्ति के कारण उपभोक्ताओं को बार-बार परेशानी झेलनी पड़ती है। उन्होंने प्रशासन और गैस एजेंसी से एलपीजी की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की स्थिति उत्पन्न न हो।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में शोध प्रकाशन पर कार्यशाला

बीएनएम @ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार के स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट साइंसेज़ के अंतर्गत वाणिज्य विभाग द्वारा "रिसर्च आइडिया से Q1/Q2 प्रकाशन तक अकादमिक लेखन एवं जर्नल पब्लिशिंग" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के जिला स्कूल परिसर में किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य शोधार्थियों और शिक्षकों को उच्च गुणवत्ता वाले शोध लेख तैयार करने तथा प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशन की प्रक्रिया की जानकारी देना था। कार्यक्रम का आयोजन कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव के मुख्य संरक्षण में हुआ। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि उच्च स्तरीय शोध और प्रतिष्ठित जर्नलों में प्रकाशन किसी भी विश्वविद्यालय की अकादमिक उत्कृष्टता और वैश्विक पहचान के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने इस प्रकार की कार्यशालाओं को शोध संस्कृति को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यशाला के संयोजक एवं वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुब्रत राय ने स्वागत भाषण में कहा कि आज के समय में शोध कार्य को वैश्विक स्तर के प्रतिष्ठित जर्नलों में प्रकाशित करना आवश्यक हो गया है। उन्होंने बताया कि यह कार्यशाला शोधार्थियों को अकादमिक लेखन, शोध की संरचना और उपयुक्त जर्नल चयन की प्रक्रिया को समझने में मदद करेगी। कार्यशाला में सऊदी इलेक्ट्रॉनिक विश्वविद्यालय के डॉ. प्रकाश सिंह ने शोध विषय चयन, शोध पत्र की संरचना और अंतरराष्ट्रीय जर्नलों की अपेक्षाओं के अनुरूप लेख तैयार करने की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। वहीं विद्यासागर विश्वविद्यालय के डॉ. सुदीन बाग ने पीयर रिव्यू प्रक्रिया, जर्नल इंडेक्सिंग और संदर्भ लेखन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यशाला में शोधार्थियों, शिक्षकों और स्नातकोत्तर छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अंत में प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया।

मिशन मोड में करें परिवार नियोजन कार्यक्रम पर काम, हर योग्य दम्पति तक पहुँचाएँ सुविधाएँः आयुक्त

» पूर्वी चम्पारण अंतर्गत 20 स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को आयुक्त ने अपने कर-कमलों से अवार्ड देकर सम्मानित किया

बीएनएम @ मोतिहारी

तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मियों को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा है कि मातृ स्वास्थ्य एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाने हेतु परिवार नियोजन कार्यक्रम पर सभी को मिशन मोड में काम करना होगा ताकि फैमिली प्लानिंग की सुविधाएँ समुदाय के अंतिम पायदान पर खड़े हर योग्य दम्पति तक अनिवार्य रूप से पहुँच सकें। उन्होंने जोर देकर कहा कि फैमिली प्लानिंग केवल एक सरकारी प्रोग्राम मात्र नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में तिरहुत प्रमंडल की हेल्थ सर्विसेज को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए विभाग के हर स्तर पर एक्टिव सहयोग और अकाउंटेबिलिटी अपेक्षित है। गुरुवार को मुजफ्फरपुर के मझौलिया रोड स्थित 'द एमराल्ड होटल' में आयोजित एफपीएलएमआईएस (Family Planning Logistics Management Information System) पर प्रमंडलीय स्तरीय ओरिएंटेशन सह सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए आयुक्त ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपस्थित स्वास्थ्यकर्मियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रोग्राम की सफलता केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने एफपीएलएमआईएस पोर्टल की महत्ता पर जोर देते हुए निर्देश दिया कि टेक्नोलॉजी के बेहतर उपयोग से कॉन्ट्रासेप्टिव दवाओं और लॉजिस्टिक्स की उपलब्धता को पूरी तरह ट्रांसपेरेंट बनाया जाए, जिससे फील्ड लेवल पर किसी भी प्रकार की कमी न रहे। आयुक्त ने आशा और कम्युनिटी हेल्थ वर्कर्स को इस मिशन की 'असली रीढ़' बताते हुए आह्वान किया कि "सीमित परिवार, सुखी परिवार" के मैसेज को अब एक जन-आंदोलन का रूप देने की आवश्यकता है। उन्होंने आगामी वित्तीय वर्ष के लिए प्रमंडल के सभी जिलों को निर्धारित लक्ष्य को समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए प्रेरित किया। समारोह के दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 में फैमिली प्लानिंग सर्विसेज, जैसे महिला व पुरुष नसबंदी, पीपीआईयूसीडी, आईयूसीडी और अंतरा इंजेक्शन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पूर्वी चम्पारण के 20 से अधिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को आयुक्त ने अपने कर-कमलों से अवार्ड देकर सम्मानित किया। पुरस्कृत होने वालों में पूर्वी चंपारण के सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार, जिला कार्यक्रम प्रबंधक ठाकुर विश्वमोहन, डॉ. चंदन कुमार, पी.एस.आई. इंडिया के जिला प्रबंधक अमित कुमार, स्टाफ नर्स, एएनएम, प्रमर्षदता से लेकर जमीनी स्तर पर कार्यरत आशा कार्यकर्ता तक शामिल रहीं। कार्यक्रम में टेक्निकल सपोर्ट प्रदान करने वाले डेवलपमेंट पार्टनर पीएसआई इंडिया के प्रतिनिधियों को भी उनके सराहनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस गरिमामयी समारोह में आरएडी, आरडीडी, आरपीएम सहित प्रमंडल के सभी जिलों के सिविल सर्जन, एसीएमओ, डीपीएम, अस्पतालों के सुपरिटेंडेंट, मेडिकल ऑफिसर और बड़ी संख्या में स्टाफ नर्स और सीएचओ उपस्थित रहे, जिन्होंने आयुक्त के विजन को धरातल पर उतारने का संकल्प लिया।

बिहार दिवस 22 मार्च को भव्य आयोजन की तैयारी, जिलाधिकारी ने की समीक्षा बैठक

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले में आगामी 22 मार्च को बिहार दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसकी तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में जिला स्तरीय पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि बिहार दिवस के अवसर पर जिले के सभी विद्यालयों में प्रभात फेरी निकाली जाए तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाए। इस दौरान विद्यालयों में वाद-विवाद प्रतियोगिता, पेंटिंग, रंगोली, क्विज तथा विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करने की योजना बनाई गई है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि बिहार दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालयों सहित सभी जिला स्तरीय कार्यालयों में साफ-सफाई और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा कार्यालय भवनों को आकर्षक ढंग से सजाया जाए। साथ ही डीपीओ आईसीडीएस को शिक्षा विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर प्रेक्षा गृह परिसर में रंगोली बनवाने का निर्देश दिया गया। बिहार दिवस के अवसर पर 22 मार्च की संध्या में मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ जिले के चयनित नामचीन कलाकारों की भी प्रस्तुति होगी। उल्लेखनीय है कि 22 मार्च 1912 को बंगाल से अलग होकर बिहार एक स्वतंत्र प्रांत के रूप में अस्तित्व में आया था। इसी ऐतिहासिक दिवस की स्मृति में प्रतिवर्ष 22 मार्च को बिहार दिवस मनाया जाता है। बैठक में जिलाधिकारी के साथ अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, नगर आयुक्त आशीष कुमार, एसडीओ सदर निशांत सिहारा, प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा निधि कुमारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी प्रहलाद गुप्ता, महाप्रबंधक उद्योग शुभम कुमार, प्रभारी पदाधिकारी कला संस्कृति, डीपीओ आईसीडीएस, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी तथा कला प्रेमी संजय पांडे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

जिला स्तरीय एचआईवी-एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

स्वास्थ्य विभाग, बिहार सरकार एवं बिहार एड्स नियंत्रण सोसाइटी, पटना के निर्देशानुसार शैक्षणिक संस्थानों में एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी की सेहत केंद्र इकाई तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 13 मार्च 2026, शुक्रवार को महाविद्यालय परिसर में "जिला स्तरीय एचआईवी/एड्स जागरूकता कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत एकल व्याख्यान एवं विभिन्न महाविद्यालयों से चयनित होकर आए प्रतिभागियों के बीच क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के समाज कार्य विभाग से पधारे डॉ. उपमेश कुमार ने विद्यार्थियों को एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूक करते हुए इसके कारण, लक्षण, बचाव एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन सेहत केंद्र इकाई के जिला नोडल पदाधिकारी तथा राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अमित कुमार ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एम. एन. हक, डॉ. विदुषी दीक्षित, डॉ. गौरव भारती, डॉ. मयंक कपिला सहित पूर्वी चम्पारण जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से आए चयनित प्रतिभागी उपस्थित थे। इस अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी की एम.ए.हिंदी तृतीय सेमेस्टर की छात्रा मोनिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अन्य प्रतिभागियों में अलोक कुमार (एम.एस. कॉलेज), अदिति मुस्कान (एल. एन.डी कॉलेज), रिया कुमारी सिंह (एल. एन.डी कॉलेज), कुमारी लक्ष्मी (एम.एस. कॉलेज), सरिता कुमारी (एम.एस. कॉलेज), बिश्वजीत कुमार (एम.एस. कॉलेज), आर्य कुमार (एल.एन.डी कॉलेज), अमन अग्रहरि (एम.एस. कॉलेज), खुशी कुमारी (एल.एन.डी कॉलेज) तथा उज्ज्वल कुमार (एल.एन.डी कॉलेज) को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को एच आईवी/एड्स के प्रति जागरूक करने तथा समाज में इसके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का संदेश दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

मलाही थाना कांड में हत्या के मुख्य आरोपी ने किया आत्मसमर्पण

बीएनएम @ अरेराज। मलाही थाना क्षेत्र में हत्या के एक मामले के मुख्य आरोपी आनंद यादव ने गुरुवार को थाना पहुंचकर पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। जानकारी के अनुसार मलाही थाना कांड संख्या 93/26 में मझरिया गांव निवासी रामसागर यादव के पुत्र आनंद यादव को मुख्य अभियुक्त बनाया गया था। उस पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 109(1), 115(1), 126(2), 117(2), 352, 351(2), 303(2) तथा 3(5) सहित कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज है। पुलिस के अनुसार घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी। पुलिस दबाव बढ़ने के बाद उसने मलाही थाना पहुंचकर थानाध्यक्ष सुमन भारती के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। थानाध्यक्ष सुमन भारती ने बताया कि आत्मसमर्पण के बाद आरोपी को हिरासत में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है और जल्द ही उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा।

फेनहारा थाना को मिला नया भवन, एसपी स्वर्ण प्रभात व विधायक राणा रणधीर सिंह ने किया उद्घाटन

बीएनएम @ पकड़ीदयाल। सीमावर्ती फेनहारा थाना को आखिरकार अपना नया भवन मिल गया। शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात और स्थानीय विधायक सह पूर्व मंत्री राणा रणधीर सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर नए थाना भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पुलिस अधिकारी और स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक राणा रणधीर सिंह ने कहा कि फेनहारा थाना स्थापना के बाद से ही बिना अपने भवन के संचालित हो रहा था। क्षेत्र के लोगों और जनप्रतिनिधियों की ओर से लंबे समय से थाना के लिए अलग भवन की मांग की जा रही थी। उन्होंने कहा कि नए भवन के निर्माण से यह मांग पूरी हुई है और क्षेत्र को एक बड़ी सुविधा मिली है। विधायक ने बिहार सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इसी क्रम में फेनहारा थाना को नया भवन मिला है। उन्होंने इसके लिए पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात का आभार भी व्यक्त किया। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने अपने संबोधन में फेनहारा क्षेत्र के लोगों द्वारा पुलिस को दिए जा रहे सहयोग की सराहना की।

जन समस्याओं को लेकर सुगौली चैंबर ऑफ कॉमर्स ने अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन

बीएनएम @ सुगौली। स्थानीय चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक प्रतिनिधिमंडल ने शहर की विभिन्न जन समस्याओं के समाधान को लेकर अंचलाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी तथा मुख्य पार्षद को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्य सड़क पर पर्याप्त संख्या में एलईडी लाइट लगाने, भारी वाहनों के आवागमन के लिए सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक वन-वे व्यवस्था लागू करने, फुटपाथ पर पेवर ब्लॉक लगाने तथा बाजार क्षेत्र को भीषण जाम से बचाने के लिए सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई है। प्रतिनिधिमंडल का कहना था कि इन समस्याओं के कारण आम लोगों और व्यापारियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र समाधान की दिशा में पहल करने का आग्रह किया। ज्ञापन सौंपने वालों में चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रियांशु सर्राफ, सचिव अनूप अग्रवाल सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

कर्तव्य में लापरवाही पर पकड़ीदयाल थाना प्रभारी लाइन हाजिर

बीएनएम @ पकड़ीदयाल। कानून-व्यवस्था से जुड़े कार्यों में लापरवाही बरतने के आरोप में पकड़ीदयाल थाना प्रभारी अशोक कुमार को एसपी स्वर्ण प्रभात ने लाइन हाजिर कर दिया है। सूत्रों के अनुसार पकड़ीदयाल थाना की कार्यप्रणाली को लेकर पिछले कुछ समय से वरिष्ठ अधिकारियों को लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए एसपी ने मामले की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान थाना प्रभारी द्वारा कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही सामने आई, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। एसपी स्वर्ण प्रभात ने स्पष्ट किया कि ड्यूटी में कोताही और अनुशासनहीनता किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जनता की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पताही में सीमेंट गोदाम से 36 एलपीजी सिलेंडर बरामद, गोदाम सील

बीएनएम @ पताही। प्रखंड मुख्यालय स्थित एक सीमेंट गोदाम में प्रशासन ने छापेमारी कर 36 खाली एलपीजी गैस सिलेंडर बरामद किए हैं। कार्रवाई के बाद गोदाम को सील कर दिया गया। इस कार्रवाई से क्षेत्र में गैस की अवैध खरीद-बिक्री करने वालों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार पकड़ीदयाल की एसडीओ मंगला कुमारी को गुप्त सूचना मिली थी कि पताही प्रखंड मुख्यालय स्थित अमोद साह के प्रकाश ट्रेडर्स हार्डवेयर दुकान के गोदाम में एलपीजी गैस की कालाबाजारी की जा रही है और वहां बड़ी संख्या में सिलेंडर रखे गए हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसडीओ ने तत्काल आरओ अनिल कुमार को छापेमारी का निर्देश दिया। निर्देश के बाद आरओ अनिल कुमार ने पुलिस बल और प्रशासनिक टीम के साथ गोदाम में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान गोदाम से एचपी और भारत कंपनी के कुल 36 एलपीजी सिलेंडर बरामद किए गए। बरामदगी के बाद प्रशासन ने गोदाम को सील कर दिया। एसडीओ मंगला कुमारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। मामले की जांच की जा रही है और संबंधित लोगों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

1.93 किलो मादक पदार्थ के साथ तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले में नशे के कारोबारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में महुआवा थाना क्षेत्र में वाहन जांच के दौरान पुलिस ने एक तस्कर को मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार ग्राम चंद्रमण सैनिक रोड स्थित भगत सिंह द्वार के पास वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान विरगु यादव उर्फ विरगुन यादव, पिता वकील राय, निवासी पचपोखरिया थाना महुआवा जिला पूर्वी चंपारण को 1.930 किलोग्राम अफीम जैसे मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि बरामद मादक पदार्थ को जब्त कर लिया गया है तथा आरोपी के खिलाफ महुआवा थाना में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस छापेमारी दल में रक्सौल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष आनंद, पुलिस अवर निरीक्षक नूतन कुमारी, सहायक अवर निरीक्षक उपेंद्र प्रसाद मेहता, सहायक अवर निरीक्षक सिकंदर कुमार, सिपाही 628 प्रेम कुमार राज तथा महुआवा थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

शतचण्डी महायज्ञ की सफलता हेतु प्रबुद्धजन बैठक आयोजित

बीएनएम @ अरेराज

प्रखंड के गुरहातेतर स्थित दुर्गा मंदिर प्रांगण में आगामी 19 मार्च से आयोजित होने वाले नौ दिवसीय श्री शतचण्डी महायज्ञ की तैयारियों को लेकर रविवार को महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में पूजा समिति के पदाधिकारी और सदस्य अपने-अपने दायित्वों के प्रति सजग हुए और यज्ञ को भव्य एवं सफल बनाने के लिए पूरी ईमानदारी से कार्य करने का संकल्प लिया। पूजा समिति के अध्यक्ष रामनिवास पाण्डे और प्रधान यजमान चंद्र भूषण पाठक ने महायज्ञ के धार्मिक महत्व और समाज कल्याण में इसके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसा यज्ञ विश्व शांति और जनकल्याण के लिए आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यज्ञ संपन्न होने वाले क्षेत्र में दुर्भिक्ष, महामारी और प्राकृतिक आपदाओं का भय नहीं रहता। यज्ञाचार्य पंडित मदन शास्त्री ने यज्ञशाला की सजावट, स्तंभों का रंग, देवी-देवताओं की प्रतिमाओं की स्थापना और अन्य आध्यात्मिक बारीकियों के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। 19 मार्च को भव्य कलश शोभा यात्रा के साथ यज्ञ का शुभारंभ होगा, जिसमें सुबह 7 बजे कुमारी कन्याओं के लिए शरबत और फलाहार की विशेष व्यवस्था की जाएगी। सायंकाल में मंडप प्रवेश और पंचांग पूजन संपन्न होगा, जबकि 20 मार्च से वैदिक मंत्रोच्चार और मां दुर्गा सप्तशती पाठ का शुभारंभ होगा, जिसे 27 मार्च तक कुल 100 पाठों के साथ पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में सहायक आचार्य आशीष शुक्ला के मंत्रोच्चार के बीच यज्ञशाला का गुंबद भी स्थापित किया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय बन गया। समिति ने यह भी निर्णय लिया कि आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आवास, भोजन और सुरक्षा जैसी सभी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी। उपाध्यक्ष संदीप पांडे, कोषाध्यक्ष रामकिशोर प्रसाद, निगरानी अध्यक्ष सह सरपंच धनंजय चौबे, संजय पांडे, प्रमोद पांडे, जितेंद्र मिश्रा, अरविंद शुक्ला और अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे और यज्ञ की सफलता के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई।

मुख्य पार्षद के इफ्तार पार्टी में उमड़ी भीड़, रोजेदारों ने मांगी अमन-चैन की दुआ

बीएनएम @ अरेराज

पवित्र रमजान के अंतिम जुमे के अवसर पर अरेराज नगर पंचायत के मुख्य पार्षद अमितेश पांडेय उर्फ रंटू पांडेय के आवास पर भव्य इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में रोजेदारों ने एक साथ इफ्तार किया और मगरिब की नमाज अदा कर देश में अमन-चैन, तरक्की और भाईचारे के लिए दुआ मांगी। इफ्तार कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे हजारों लोगों ने शिरकत की। आयोजन स्थल पर सामाजिक सौहार्द और भाईचारे का माहौल देखने को मिला, जहां सभी समुदाय के लोग एक साथ मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व विधायक राजन तिवारी और पूर्व जिला पार्षद पप्पू मिश्रा शामिल हुए। इसके अलावा केसरिया के मुख्य पार्षद रिंकू पाठक, चिकित्सक डॉ. अविनाश मिश्रा, दिनेश मिश्रा, प्रिंस गिरी, मुखिया झुना सिंह तथा उप मुख्य पार्षद अहमद अली आजाद सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन में रोजेदारों के लिए फल, शरबत और विभिन्न व्यंजनों की व्यवस्था की गई थी। इफ्तार के दौरान लोगों ने आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश दिया। इस मौके पर मुख्य पार्षद अमितेश पांडेय उर्फ रंटू पांडेय ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में प्रेम, सौहार्द और एकता को मजबूत करने का काम करते हैं। कार्यक्रम देर शाम तक चलता रहा और लोगों ने इसे क्षेत्र में सामाजिक सद्भाव का प्रतीक बताया।

अरेराज में 'किडजी' प्री-स्कूल का उद्घाटन, पूर्व विधायक राजन तिवारी ने किया शुभारंभ

बीएनएम @ अरेराज

शहर के सुजायतपुर वार्ड संख्या-09 में शुक्रवार को प्रतिष्ठित प्री-स्कूल श्रृंखला 'किडजी' (Kidzee) की नई शाखा का भव्य उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोविंदगंज के पूर्व विधायक राजन तिवारी थे। उनके साथ पूर्व जिला पार्षद पप्पू मिश्रा, नगर अध्यक्ष रंटू मिश्रा तथा राहुल आर. पांडेय भी मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर स्कूल का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। इसके बाद अतिथियों ने विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया और बच्चों के लिए तैयार किए गए सुरक्षित वातावरण, आधुनिक सुविधाओं तथा आकर्षक कक्षाओं की सराहना की। इस दौरान अभिभावकों को शिक्षकों से सीधे संवाद का अवसर मिला, जिसमें किडजी की शिक्षण पद्धति और बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विस्तार से जानकारी दी गई। बच्चों के मनोरंजन के लिए आयोजित मैजिक शो कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा, जिसे देखकर बच्चे और अभिभावक काफी उत्साहित नजर आए। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक राजन तिवारी ने कहा कि अरेराज जैसे क्षेत्र में किडजी जैसे प्री-स्कूल का खुलना बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि खेल-खेल में सीखने की आधुनिक पद्धति बच्चों की बुनियादी शिक्षा को मजबूत करेगी और उन्हें भविष्य के लिए बेहतर तरीके से तैयार करेगी। विद्यालय के संचालन में रजनीश शुक्ला, प्रिय रंजन तिवारी, हिमांशु कुमार, रौशन द्विवेदी, अतुल शर्मा और नवनीश शुक्ला सहित अन्य सहयोगियों की भूमिका है। स्कूल संचालक सनुषा एडुवेल्थ ने उद्घाटन समारोह में शामिल सभी अतिथियों और स्थानीय लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

आईसीपी रक्सौल में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, 150 से अधिक कर्मियों व ट्रक चालकों की हुई जांच

बीएनएम @ रक्सौल

भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण के अंतर्गत संचालित इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी) रक्सौल परिसर में शनिवार को एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रक्सौल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ, जिसमें आईसीपी से जुड़े विभिन्न विभागों के कर्मियों और ट्रक चालकों के स्वास्थ्य की जांच की गई। शिविर में कस्टम, इमिग्रेशन तथा अन्य कार्यालय कर्मियों के साथ बड़ी संख्या में ट्रक चालकों ने भाग लिया। चिकित्सकों की टीम ने ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर और ब्लड ग्रुप सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांच की। इस दौरान करीब 150 से अधिक लोगों की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया गया तथा मुफ्त दवाइयां भी वितरित की गईं। आईसीपी रक्सौल के प्रबंधक कुमार राजीव रंजन ने बताया कि आईसीपी केवल आयात-निर्यात की सुविधा तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक दायित्वों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर स्वास्थ्य जांच शिविर जैसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य आईसीपी से जुड़े कर्मियों और श्रमिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उन्हें समय पर चिकित्सीय सलाह उपलब्ध कराना है। शिविर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रक्सौल के प्रभारी डॉ. राजीव रंजन और वरीय चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अमित जायसवाल के नेतृत्व में चिकित्सकीय टीम ने जांच की। टीम में एएनएम इंदु कुमारी, नीरज कुमारी तथा स्वास्थ्यकर्मी रवींद्र कुमार और नवीन कुमार शामिल थे। इस अवसर पर लायंस क्लब ऑफ रक्सौल के अध्यक्ष लायन बिमल सर्राफ और सचिव लायन मोहम्मद निजामुद्दीन भी मौजूद रहे। वहीं आईसीपी के अग्निशमन विभाग से श्याम बाबू सिंह, सुरभि सिंह, अख्तर सैफी और प्रिया रानी सहित अन्य कर्मियों ने भी व्यवस्था में सहयोग किया। आईसीपी की स्वास्थ्य इकाई से सुमन कुमारी, अर्जुन मिश्रा और अंचल मिश्रा ने भी शिविर के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिविर में भाग लेने वाले कर्मचारियों और ट्रक चालकों ने ऐसे आयोजनों की सराहना करते हुए कहा कि इससे उन्हें नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और समय रहते बीमारियों की जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

पैक्स व व्यापार मंडल के अध्यक्षों-प्रबंधकों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले के पैक्स एवं व्यापार मंडलों को अधिक सशक्त और बहुआयामी बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि पैक्स ग्रामीण अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इनके सशक्त होने से किसानों और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को सीधे लाभ मिलता है। उन्होंने पैक्स अध्यक्षों और प्रबंधकों से पारदर्शिता के साथ काम करने तथा पैक्स को बहुउद्देशीय संस्थान के रूप में विकसित करने का आह्वान किया। कार्यशाला के दौरान पैक्स और व्यापार मंडलों को अधिक प्रभावी तथा बहु-आयामी बनाने के लिए विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। इसमें पैक्स अध्यक्ष और प्रबंधक के दायित्व, निर्वाचन से संबंधित जानकारी, बैंकिंग व्यवसाय, अंकेक्षण और लेखा व्यवस्था, मल्टी स्टेट कोऑपरेटिव समितियों की सदस्यता, पैक्स के कंप्यूटराइजेशन तथा ईआरपी एंट्री जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य पैक्स अध्यक्षों और प्रबंधकों की क्षमता का विकास करना तथा उनके माध्यम से सहकारी संस्थाओं में व्यावसायिक विविधीकरण को बढ़ावा देना था। अधिकारियों ने बताया कि आधुनिक तकनीक और पारदर्शी लेखा व्यवस्था अपनाने से पैक्स की कार्यप्रणाली और अधिक प्रभावी बन सकती है। कार्यशाला में जिले के लगभग 350 पैक्स के अध्यक्ष और प्रबंधकों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को विभिन्न विषयों पर व्यावहारिक जानकारी भी दी गई ताकि वे अपने-अपने पैक्स में बेहतर तरीके से कार्य कर सकें। इस दौरान जिला सहकारिता पदाधिकारी प्रिंस अनुपम सिंह, प्रबंध निदेशक आकिब जावेद, वरीय अंकेक्षण पदाधिकारी मधुकांत ठाकुर, सहकारिता प्रसार पदाधिकारी अमित कुमार तथा कॉमन सर्विस सेंटर के जिला प्रबंधक जटाशंकर कुमार ने प्रशिक्षक के रूप में अपने-अपने विषयों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया।

भारतीय ज्ञान परम्परा मानव जीवन के समग्र विकास का मार्गः डॉ. श्याम नन्दन

बीएनएम @ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'भारतीय ज्ञान परम्परा एवं समकालीन परिप्रेक्ष्य' विषय पर आयोजित सप्तदिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन विद्वानों ने भारतीय ज्ञान परम्परा की समृद्धि और उसकी वर्तमान प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. श्याम नन्दन ने 'भारतीय ज्ञान परम्परा और कबीरदास' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति विश्व की प्राचीनतम और समृद्ध संस्कृतियों में से एक है, जिसकी आधारशिला भारतीय ज्ञान परम्परा है। उन्होंने कहा कि वेद, उपनिषद, पुराण, रामायण, महाभारत और भगवद्गीता जैसे ग्रंथों में मानव जीवन के आध्यात्मिक, नैतिक और सामाजिक आयामों का गहन चिंतन मिलता है। मध्यकाल में संत कबीरदास ने इन सिद्धांतों को लोकभाषा में प्रस्तुत कर इसे जन-जन तक पहुंचाया। प्रो. शिरीष मिश्र ने कहा कि संस्कृत भाषा का सभी भाषाओं में विशेष स्थान है। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था और तकनीक के साथ प्राचीन ज्ञान के समन्वय की आवश्यकता पर बल देते हुए प्रतिभागियों को एआई के साथ मूल ग्रंथों के अध्ययन के लिए प्रेरित किया। प्रो. बैद्यनाथ मिश्र ने भारतीय ज्ञान परम्परा में नक्षत्र विज्ञान और आयुर्वेद के महत्व को रेखांकित किया, जबकि डॉ. उमेश पात्रा ने वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

हत्या के प्रयास के चार आरोपी समेत शराब सेवन का एक अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ डुमरियाघाट

पूर्वी चंपारण जिले के डुमरियाघाट थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए हत्या के प्रयास के चार आरोपियों तथा शराब सेवन के एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार डुमरियाघाट थाना कांड संख्या 80/26 में हत्या के प्रयास के मामले में नामजद आरोपी रमाशंकर राउत, पिता हीरा राउत तथा नीरज पटेल, पिता स्व. महेंद्र पटेल, दोनों निवासी रामपुर खजुरिया को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस लंबे समय से इनकी तलाश कर रही थी। इसी तरह डुमरियाघाट थाना कांड संख्या 81/26 में हत्या के प्रयास के आरोपित विक्की पटेल, पिता अशोक पटेल तथा संजू पटेल, पिता राजेश पटेल को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन दोनों आरोपियों पर मारपीट और हत्या के प्रयास का आरोप है। इसके अतिरिक्त डुमरियाघाट थाना कांड संख्या 82/26 में शराब सेवन के मामले में जितेंद्र कुमार, पिता सूर्यदेव तिवारी, निवासी सरेया बदुराहा को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच के दौरान उसके शराब सेवन की पुष्टि होने पर कार्रवाई की गई। थानाध्यक्ष विवेक कुमार बालेंदु ने बताया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है। गिरफ्तार सभी अभियुक्तों से पूछताछ की जा रही है तथा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

रामगढ़वा में 'अनम हॉस्पिटल' का उद्घाटन, स्थानीय स्तर पर मिलेगी आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं

बीएनएम @ रामगढ़वा

मुख्य मार्ग पर टीवीएस शोरूम के समीप स्थित 'अनम हॉस्पिटल' का भव्य उद्घाटन समारोहपूर्वक किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक शशि भूषण सिंह, जिले के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. मंजर नसीम तथा रहमनिया के डायरेक्टर डॉ. उमर तबरेज ने संयुक्त रूप से फीता काटकर अस्पताल का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का उपलब्ध होना क्षेत्र के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस अस्पताल के शुरू होने से अब लोगों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए दूर-दराज के शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. अब्दुल्ला और डॉ. राजीव कुमार ने बताया कि अनम हॉस्पिटल में मरीजों के लिए अत्याधुनिक आईसीयू सहित विभिन्न प्रकार की चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। अस्पताल में अनुभवी चिकित्सकों की टीम अपनी सेवाएं देगी, जिसमें डॉ. अफजल इमाम भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि महिला रोगों के उपचार के लिए महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. असमा और डॉ. प्रियंका भी मरीजों को परामर्श और इलाज उपलब्ध कराएंगी। अस्पताल में इलाज के साथ-साथ गंभीर बीमारियों से बचाव के लिए विशेषज्ञ सलाह और उचित देखभाल की भी व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में सुरेंद्र यादव, सुरेंद्र पटेल, विकास झा, संदीप झा, अनिल झा, ललिता प्रसाद, सामाजिक कार्यकर्ता अश्विनी झा, विकास झा और मुफ्ती इस्लाम सहित कई लोग उपस्थित थे। उपस्थित लोगों ने अस्पताल प्रबंधन को नई शुरुआत के लिए बधाई देते हुए इसे क्षेत्र के स्वास्थ्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम बताया।

अफवाह की राजनीति और जिम्मेदारी से भागता विपक्ष

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद वह स्थान है जहां जनता से जुड़े हर बड़े मुद्दे पर गंभीर और जिम्मेदार चर्चा होनी चाहिए लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि हाल के वर्षों में विपक्ष की राजनीति का एक बड़ा हिस्सा केवल हंगामा और अफवाह फैलाने तक सीमित होता जा रहा है। एलपीजी सिलेंडर को लेकर संसद के बाहर हुई नारेबाजी और आरोपों की बौछार इसी प्रवृत्ति का उदाहरण है। हाल ही में संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने नारे लगाए कि नरेंदर भी गायब और सिलेंडर भी गायब इस तरह के नारे सुनने में भले ही आकर्षक लगते हों लेकिन यह देश की वास्तविक समस्याओं का समाधान नहीं हैं बल्कि यह केवल राजनीतिक माहौल को गरमाने की कोशिश भर है ।जनता यह समझती है कि देश की ऊर्जा जरूरतों और वैश्विक परिस्थितियों जैसे गंभीर विषयों को केवल नारेबाजी से नहीं, बल्कि ठोस नीति और विवेकपूर्ण चर्चा से हल किया जा सकता है। नेता विपक्ष राहुल गांधी ने यह दावा किया कि आने वाले समय में ईंधन का बड़ा संकट पैदा हो सकता है और इसके लिए उन्होंने सरकार की विदेश नीति को जिम्मेदार ठहराया लेकिन यह भी एक सच्चाई है कि वर्तमान समय में पूरी दुनिया ऊर्जा आपूर्ति की चुनौतियों से जूझ रही है ,पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और युद्ध जैसी स्थिति ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है। ऐसे में किसी एक देश की सरकार को पूरी तरह जिम्मेदार ठहराना वास्तविकता से दूर और राजनीतिक बयानबाजी ज्यादा प्रतीत होता है। भारत जैसे विशाल देश की ऊर्जा जरूरतें बहुत बड़ी हैं और इन्हें पूरा करने के लिए सरकार को कई स्तरों पर लगातार प्रयास करने पड़ते हैं ।पिछले कुछ वर्षों में भारत ने ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। विभिन्न देशों के साथ दीर्घकालिक समझौते किए गए हैं। आपूर्ति के नए स्रोत तलाशे गए हैं और वैकल्पिक ऊर्जा पर भी बड़े पैमाने पर निवेश किया गया है। सौर ऊर्जा हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया जैसे क्षेत्रों में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है ताकि भविष्य में ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भरता बढ़ सके। इसके बावजूद विपक्ष लगातार यह माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है कि देश किसी बड़े संकट की ओर बढ़ रहा है ।संसद में चर्चा से पहले ही सड़क और संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन कर देना यह दिखाता है कि विपक्ष का उद्देश्य समाधान निकालना नहीं बल्कि डर का वातावरण बनाना है।

इच्छा मृत्यु केवल कानून ही नहीं, मानवीय गरिमा का प्रश्न

ललित गर्ग

भारतीय समाज में यह गहरी धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की सेवा तब तक की जाए, जब तक उसके प्राण स्वाभाविक रूप से समाप्त न हो जाएं। जीवन की रक्षा और उसकी देखभाल को एक नैतिक कर्तव्य के रूप में देखा जाता रहा है। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में रोगी की सेवा केवल चिकित्सा का विषय नहीं होती, बल्कि भावनात्मक, धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से भी जुड़ी होती है। कई बार यह भी देखा गया है कि प्रियजन की मृत्यु के बाद भी उसे लंबे समय तक जीवन लौटने की आशा में संभालकर रखा जाता रहा है। लेकिन जब कोई व्यक्ति ऐसी स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौटने की कोई संभावना न हो और उसका अस्तित्व केवल कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर रह जाए, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या केवल जैविक अस्तित्व को बनाए रखना ही जीवन की रक्षा है? या फिर जीवन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए व्यक्ति को पीड़ा से मुक्ति देने का अधिकार भी स्वीकार किया जाना चाहिए? इसी जटिल और संवेदनशील प्रश्न के केंद्र में 11 मार्च 2026 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया वह निर्णय है, जिसमें गाजियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी गई। लगभग तेरह वर्षों से कोमा में जीवन बिताने वाले इस युवक के मामले में अदालत का यह निर्णय केवल एक कानूनी आदेश भर नहीं है, बल्कि जीवन, मृत्यु और मानवीय गरिमा के बीच संतुलन खोजने का एक गंभीर एवं संवेदनशील प्रयास भी है। दरअसल, हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए बाध्य करता है कि इच्छामृत्यु का प्रश्न केवल कानून का विषय नहीं है, बल्कि एक गहरी मानवीय कहानी भी है। यह एक ऐसे युवा की कहानी है, जिसका जीवन एक दुर्घटना के बाद अचानक बदल गया और जो तेरह वर्षों तक एक मौन जीवन-मृत्यु संघर्ष में जीता रहा। उस संघर्ष में शब्द नहीं थे, संवाद नहीं था, केवल एक स्थिर और असहाय जैविक अस्तित्व था। ऐसे में परिवार, चिकित्सकों और समाज के सामने यह कठिन दुविधा खड़ी हो जाती है कि जीवन को किस सीमा तक कृत्रिम रूप से बनाए रखा जाए। इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण आधार भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 है, जो प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। समय के साथ न्यायपालिका ने इस अनुच्छेद की व्याख्या को व्यापक बनाते हुए यह स्पष्ट किया कि जीवन का अधिकार केवल सांस लेने या जीवित रहने का अधिकार नहीं है, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार भी है। इसी संवैधानिक दृष्टिकोण ने आगे चलकर यह प्रश्न उठाया कि यदि व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार है, तो क्या उसे गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार भी नहीं होना चाहिए? भारत में इच्छामृत्यु से जुड़ा न्यायिक विमर्श धीरे-धीरे विकसित हुआ है। वर्ष 2011 में अरुणा शानबाग मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। यह मामला एक ऐसी नर्स का था, जो दशकों तक कोमा की स्थिति में रही। उस निर्णय ने इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय बहस को जन्म दिया। इसके बाद वर्ष 2018 में कॉमन कॉज़ बनाम भारत संघ के ऐतिहासिक फैसले में अदालत ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु को संवैधानिक मान्यता देते हुए 'लिविंग विल' की अवधारणा को स्वीकार किया। इसके अनुसार कोई व्यक्ति अपने जीवनकाल में ही यह लिखित रूप में व्यक्त कर सकता है कि यदि वह असाध्य स्थिति में पहुंच जाए तो उसे कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर न रखा जाए। हरीश राणा के मामले में चिकित्सा विशेषज्ञों के बोर्ड ने यह स्पष्ट किया कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य शेष नहीं रह गया था। चिकित्सा केवल जैविक अस्तित्व को लंबा खींचने का माध्यम बन गई थी। ऐसे में अदालत की स्वीकृति इस कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा केवल जीने में ही नहीं, बल्कि मृत्यु में भी बनी रहनी चाहिए। फिर भी इच्छामृत्यु का प्रश्न अत्यंत जटिल और विवादास्पद रहा है। दुनिया के अनेक देशों में इस विषय पर गंभीर नैतिक और कानूनी बहस चलती रही है। कई देशों ने इसे सीमित परिस्थितियों में कानूनी मान्यता दी है, जबकि कई अन्य देशों में इसके दुरुपयोग की आशंका के कारण इसे स्वीकार नहीं किया गया है। भारत में भी यह विषय संवेदनशील बना हुआ है, क्योंकि यहां पारिवारिक संबंधों,

धार्मिक मान्यताओं और सामाजिक भावनाओं की भूमिका अत्यंत गहरी है। इसी संदर्भ में जैन धर्म में प्रचलित संथारा या सल्लेखना की परंपरा भी कई बार चर्चा में आती रही है। जैन दर्शन में इसे मृत्यु का महोत्सव कहा गया है। संथारा का अर्थ है-जीवन के अंतिम चरण में धीरे-धीरे आहार और शरीर की आसक्तियों का त्याग करते हुए शांति एवं समाधिपूर्वक मृत्यु को स्वीकार करना। जैन आचार विचार में इसे आत्मसंयम और आध्यात्मिक साधना का सर्वोच्च रूप माना गया है। संथारा और आधुनिक इच्छामृत्यु के बीच अंतर भी है और समानताएं भी। संथारा का आधार आध्यात्मिक साधना और वैराग्य है, जबकि आधुनिक इच्छामृत्यु का आधार चिकित्सा विज्ञान और मानवीय पीड़ा से मुक्ति का विचार है। फिर भी दोनों के केंद्र में एक समान भाव दिखाई देता है-जीवन की अंतिम अवस्था में गरिमा और स्वायत्तता का सम्मान। हालांकि इस परंपरा को लेकर भी न्यायालयों में बहस होती रही है कि क्या इसे धार्मिक स्वतंत्रता माना जाए या आत्महत्या के रूप में देखा जाए। इस बहस ने यह स्पष्ट किया है कि जीवन और मृत्यु से जुड़े प्रश्न केवल कानूनी तर्कों से हल नहीं होते, बल्कि उनमें नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयाम भी शामिल होते हैं। प्रसिद्ध गांधीवादी चिंतक विनोबा भावे ने इस परंपरा की विशेष सराहना की थी। उन्होंने कई अवसरों पर यह इच्छा भी व्यक्त की थी कि यदि संभव हो तो वे भी जीवन के अंतिम क्षणों में इसी प्रकार की शांत, संयमित और जागरूक मृत्यु प्राप्त करना चाहेंगे। इसीलिए हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि संविधान की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संवेदनशील व्याख्या में निहित है। जब न्यायपालिका जीवन के अधिकार की व्याख्या करते हुए मानवीय गरिमा और करुणा को केंद्र में रखती है, तब वह केवल कानून का पालन नहीं करती, बल्कि समाज को अधिक संवेदनशील और मानवीय दिशा भी प्रदान करती है। यह भी सच है कि भारत में इच्छामृत्यु को लेकर अभी तक कोई समग्र और स्पष्ट कानून नहीं है। न्यायालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद परिवारों और चिकित्सकों को कई बार जटिल प्रक्रियाओं और कानूनी आशंकाओं का सामना करना पड़ता है। यही कारण है कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं इस विषय पर एक व्यापक कानूनी ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया है। ऐसा कानून बनाते समय दो महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना होगा। पहली, यह कि असाध्य रोगियों को अनावश्यक पीड़ा से मुक्ति मिल सके। दूसरी, यह कि किसी प्रकार के दबाव, स्वार्थ या आर्थिक कारणों से किसी व्यक्ति को इच्छामृत्यु के लिए विवश न किया जा सके। स्पष्ट प्रोटोकॉल, पारदर्शी चिकित्सा मूल्यांकन और रोगी की स्वायत्त इच्छा का सम्मान इस प्रक्रिया के आवश्यक तत्व होने चाहिए। निश्चिततौर पर यह कहा जा सकता है कि हरीश राणा के मामले में दिया गया निर्णय केवल एक न्यायिक आदेश नहीं है, बल्कि संवैधानिक करुणा का एक उदाहरण है। इसमें न्याय, संवेदना और मानवीय गरिमा तीनों का संतुलित रूप दिखाई देता है। वास्तव में यह निर्णय हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि जीवन का सम्मान केवल उसे लंबा खींचने में नहीं, बल्कि उसकी गरिमा को बनाए रखने में है। जब उपचार असंभव हो जाए और चिकित्सा केवल पीड़ा को बढ़ाने का माध्यम बन जाए, तब गरिमापूर्ण विदाई भी मानवीयता का ही विस्तार बन जाती है। इस दृष्टि से यह आवश्यक है कि भारत में इच्छामृत्यु के प्रश्न पर व्यापक सामाजिक संवाद हो और एक ऐसा संवेदनशील तथा संतुलित कानूनी ढांचा तैयार किया जाए, जो व्यक्ति को गरिमा के साथ जीने और गरिमा के साथ मरनेकृदोनों का अधिकार सुनिश्चित कर सके।

केरल के इतिहास के कुछ सबक सीखिए राहुलजी!

संजय पराते

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता श्री राहुल गांधी ने 7 मार्च को यूडीएफ की एक रैली को संबोधित किया। उन्होंने पैसों सहित केरल के लोगों को कई तरह की सौगातें देने का वादा करते हुए पाँच गारंटियों की घोषणा भी की। इन गारंटियों में केएसआरटीसी की बसों में महिलाओं के लिए मुफ़्त यात्रा, छात्राओं के लिए हर महीने इनाम, युवाओं के लिए बिना ब्याज के ऋण, स्वास्थ्य बीमा और बढ़ी हुई पेंशन आदि शामिल हैं। इन गारंटियों से केरल कोई हलचल नहीं हुई, खासकर इसलिए कि केरलम के लोग पहले से ही केरल सरकार की ऐसी कई योजनाओं का फायदा उठा रहे हैं। बहरहाल, श्रीमान गांधी के भाषण का मकसद अलग था। उन्होंने मोदी सरकार और एलडीएफ सरकार के बीच एक 'गुप्त' गठबंधन की डरावनी तस्वीर दिखाने में अपनी समझ और ऊर्जा की ताकत लगाई, और यह 'साबित' करने की कोशिश की कि अगर मोदी सरकार जनविरोधी है, तो राज्य की एलडीएफ़ सरकार को भी उसी श्रेणी में रखा जाना चाहिए। उन्होंने इसे सीजेपी (कम्युनिस्ट जनता पार्टी) कहा, और अपने ही प्रकरण का हवाला देकर अपनी बात साबित करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि ईडी ने उन पर 55 दिनों तक मुकदमा चलाया, लेकिन केरल के मुख्यमंत्री पर एक दिन भी मुकदमा नहीं चला। बदकिस्मती से, यह बात झूठी निकली, क्योंकि नेशनल हेराल्ड प्रकरण में श्रीमान गांधी और उनके परिवार पर लंबे समय से मुकदम चल रहा है, जबकि केरल के मुख्यमंत्री को उनके नाम पर चल रहे एकमात्र गंभीर प्रकरण, एसएनएस-लवलिन केस से पहले ही बरी कर दिया गया था। ईडी की आदत है कि अगर विपक्ष में किसी के खिलाफ बाल की खाल के बराबर भी चूक मिले, तो वह उस पर झपट पड़ता है और राहुल गांधी के पास इतने कंकाल हैं, जो दिखाते हैं कि कई कांग्रेसी इस थोड़-सी चूक पर फिसल गए हैं और भाजपा में शामिल हो गए हैं। शायद राहुल गांधी के लिए फायदेमंद यह होगा कि वे कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वालों का एक डोजियर रखें, न कि एक बेतुकी तुलना के आधार पर किसी गुप्त गठबंधन के बारे में बकवास करें। राहुलजी के लिए केरल के इतिहास से कुछ सबक लेना भी फायदेमंद होगा। केरल के कुछ कांग्रेस नेताओं की बताई बेकार की कहानियों से बचना भी फायदेमंद होगा। ऐसा पहला सबक

1957 का है, जब नए बने केरल राज्य में एक कम्युनिस्ट पार्टी सत्ता में आई, और उसने वे ज़रूरी सुधार शुरू किए, जिन्हें केंद्र में सत्ता में बैठी कांग्रेस सरकार भी कर सकती थी। इसमें भूमि सुधार, शिक्षा सुधार, सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार, पुलिस सुधार, सरकारी नियुक्तियों में आरक्षण के नियम और शासन का विकेंद्रीकरण आदि शामिल थे। बहरहाल, कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष ने इन सुधारों का विरोध करने का फैसला किया और सरकार को गिराने के लिए जातिवादी और सांप्रदायिक ताकतों के साथ मिलीभगत की। इस तरह, कांग्रेस की वजह से सांप्रदायिकता को केरल में पहली बार सांस लेने की जगह मिली। दूसरा सबक 1971 का है। उस समय केरल में कांग्रेस की यूडीएफ सरकार थी। थालास्सेरी में, मंदिर के जुलूस और युवाओं के एक समूह के बीच एक छोटी-सी कहा-सुनी के बाद थालास्सेरी और उसके आस-पास एक बड़ी आगजनी हो गई, जहाँ आरएसएस ने मुस्लिमों के घरों पर हमला किया और उनकी मस्जिदों और दुकानों में आग लगा दी। यह सीपीआई(एम) के कार्यकर्ता ही थे, जिन्होंने मुस्लिम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की और उन्हें आरएसएस के हमलों से बचाया। इस बचाव कार्य का नेतृत्व पिनाराई विजयन कर रहे थे, जो उस समय स्थानीय विधायक थे। तब से आरएसएस ने सीपीआई(एम) को अपना सबसे बड़ा दुश्मन मानना शुरू कर दिया और जब भी और जहाँ भी मुमकिन होता है, उन्हें शारीरिक हमलों और हत्या का निशाना बनाना शुरू कर दिया। पिनाराई, वह गाँव जहाँ से कॉमरेड विजयन आते हैं, इस हमले के इलाके के बीच में था। आरएसएस की भीड़ से लड़ते हुए दो सौ से ज़्यादा सीपीआई(एम) कार्यकर्ताओं ने अपनी जान दे दी। उस इलाके की कांग्रेस या तो मूकदर्शक बनी रही या आरएसएस के साथ मिली हुई थी। तीसरा सबक 1984 का है। एक बार फिर यूडीएफ सरकार सत्ता में थी, जिसके मुख्यमंत्री श्री के. करुणाकरण थे। निलक्कल में, जो सबरीमाला से ज़्यादा दूर नही है, एक शिव मंदिर से सदियों पुराना एक पत्थर का क्रॉस मिला। सीरियन कैथोलिक चर्च उस जगह पर एक मस्जिद बनाना चाहता था, जिसका शिव मंदिर के अधिकारियों ने विरोध किया। आरएसएस और श्री कुम्मनम राजशेखरन (जो अभी राज्य के वरिष्ठ भाजपा नेता और मिज़ोरम के पूर्व राज्यपाल हैं) के नेतृत्व वाले अयप्पा सेवा संघम समेत सभी हिंदू संगठनों ने इसका विरोध किया। श्री राजशेखरन हिंदू आंदोलन के मुख्य संगठनकर्ता थे। यूडीएफ ने बीच-बचाव की बातें तो बहुत कीं, लेकिन असल में साथ हिंदुओं का दिया। आखिर में सीरियन चर्च को अपनी परियोजना छोड़नी पड़ी और उस जगह से पत्थर का क्रॉस हटाना पड़ा। यह शायद केरल में हिंदुत्व ताकतों की पहली जीत थी, जिसे यूडीएफ सरकार की 'गुप्त' मिलीभगत से हासिल किया गया था, जिससे असल में सांप्रदायिक ताकतों के पक्ष में एक बड़ा झुकाव आया, और इसके बाद हिंदुत्व की ताकतों का उदय हुआ। चौथा सबक 1987 का है। एलडीएफ ने विधानसभा चुनाव एक खुले, समझौताहीन, सांप्रदायिकता विरोधी मंच से जीता था। एलडीएफ को हराने के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ ने एलडीएफ के खिलाफ एक संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार उतारने का प्रयोग किया, जिसे सीएलबी (कांग्रेस-लीग-भाजपा) कहा जाने लगा। ऐसे उम्मीदवार बेपोर विधानसभा और वटकारा लोकसभा, दोनों सीटों पर खड़े किए गए थे। यह अनैतिक गठबंधन दोनों सीटें हार गया। वटकारा में एलडीएफ उम्मीदवार के रूप में जीतने वाले व्यक्ति के. पी. उन्नीकृष्णन थे, जो एक पुराने कांग्रेसी सांसद थे, जिनका हाल ही में निधन हो गया है। श्रीमान गांधी इस बात से खुश हो सकते हैं कि सभी कांग्रेसी ऐसे बेकार तरीकों का समर्थन नहीं करते थे! पांचवां सबक काफ़ी नया है और बेशक, राहुलजी इससे अवगत है। कुछ भाजपाई वकीलों ने सबरीमाला मंदिर में मासिक-धर्म वाली लड़कियों को पूजा करने की इजाज़त दिलाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दायर किया, जहां ऐसी पूजा पर रिवाज के तौर पर प्रतिबंध है।

अमेरिका में भारतीयों पर हमलों की बढ़ती घटनाओं से उपजे सवाल

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अमेरिका स्वयं को दुनिया का सबसे विकसित और सबसे बड़ा लोकतांत्रिक समाज बताता है। वह मानवाधिकार, समानता और बहुसांस्कृतिक समाज की बात भी करता है, विश्व में जहां भी अमेरिका अपनी सैन्य कार्रवाई करता है, वहां इस कार्रवाई किए जाने का कारण भी वहां के समाज पर हो रहे अत्याचार को ही अक्सर बताता है पर आज अमेरिका में ही पिछले एक दशक में भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ सामने आई हिंसक घटनाओं की लंबी श्रृंखला उसकी इस छवि पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। साल 2016 से 2026 के बीच अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ 41 बड़ी गंभीर घटनाएँ दर्ज की गई हैं। इनमें से 38 मामलों में भारतीय मूल के लोगों की मौत हुई है और 3 मामलों में लोग गंभीर हमलों से बच गए। इन घटनाओं में गोलीबारी, लूटपाट, अपहरण, संदिग्ध मौतें, सड़क दुर्घटनाएँ और नस्लीय घृणा से जुड़े हमले शामिल हैं। वस्तुतः हाल ही में 1 मार्च 2026 को टेक्सास के ऑस्टिन में हुई गोलीबारी में 21 वर्षीय भारतीय मूल की छात्रा सविता शान की मौत ने इस मुद्दे को फिर से वैश्विक चर्चा में ला दिया है। इस गोलीबारी में हमलावर ने अंधाधुंध फायरिंग की। इस तरह की यह घटना अकेली नहीं है, न ही ये एक अलग प्रकार का कोई प्रकरण है, बल्कि यह पिछले कई वर्षों से सामने आ रही घटनाओं की एक चिंताजनक श्रृंखला का हिस्सा है। सवाल यह है कि क्या यह केवल अपराध की घटनाएँ हैं या इसके पीछे समाज में पनप रही कोई गहरी मानसिकता भी काम कर रही है?

अमेरिकी में रहने का भारतीयों का सपना और बढ़ती मौतें- अमेरिका लंबे समय से भारतीय छात्रों के लिए शिक्षा और करियर का सबसे बड़ा केंद्र रहा है। हर वर्ष हजारों भारतीय छात्र उच्च शिक्षा के लिए वहाँ जाते हैं, किंतु पिछले कुछ वर्षों में सामने आई घटनाएँ इस "अमेरिकन ड्रीम" के पीछे छिपे खतरों को भी उजागर करती हैं। साल 2025 में टेक्सास में कार्तिक वेंकट साई बद्दिरेड्डी नामक छात्र की पेट्रोल पंप पर काम करते समय लूटपाट के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसी वर्ष वॉशिंगटन डीसी में कोय्यादा रवि तेजा को खाना डिलीवरी करते समय लुटेरों ने गोली मार दी। साल 2024 में जॉर्जिया में विवेक सैनी की निर्मम हत्या ने पूरे भारतीय समुदाय को झकझोर दिया। बताया गया कि वह एक बेघर व्यक्ति की मदद करता था लेकिन उसी व्यक्ति ने बाद में हथौड़े से हमला कर उसकी हत्या कर दी। इसी वर्ष वरुण राज पुचा नामक छात्र को जिम में चाकू मारकर हत्या कर दी गई, जिसे पुलिस ने संभावित हेट क्राइम माना। इन घटनाओं ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या अमेरिका में पढ़ने जाने वाले विदेशी छात्रों की सुरक्षा वास्तव में उतनी मजबूत है जितनी बताई जाती है?

कामकाजी भारतीयों पर अपराधियों की नजर- अमेरिका में बड़ी संख्या में भारतीय छात्र पढ़ाई के साथ-साथ छोटे-मोटे काम भी करते हैं। गैस स्टेशन, सुविधा स्टोर, डिलीवरी सेवाएँ और रेस्टोरेंट जैसे क्षेत्रों में भारतीय युवाओं की मौजूदगी काफी अधिक है और यही कार्यस्थल कई बार अपराधियों के लिए आसान निशाना बन जाते हैं। साल 2018 में शरथ कोप्पू नामक भारतीय छात्र की रेस्टोरेंट में लूटपाट के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। साल 2017 में विक्रम जरयाल को वॉशिंगटन में गैस स्टेशन पर काम करते समय गोली मार दी गई। साल 2023 में ओहायो में सैइश वीरा नामक युवक की गैस स्टेशन पर लूट के दौरान हत्या कर दी गई। वस्तुतः इन घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि सेवा क्षेत्र में काम करने वाले प्रवासी युवाओं को अक्सर असुरक्षित परिस्थितियों में काम करना पड़ता है, जहाँ अपराध की आशंका अधिक होती है।

नस्लीय घृणा का कड़वा सच- हालाँकि सभी घटनाओं को सीधे नस्लीय घृणा से नहीं जोड़ा जा सकता पर कुछ मामलों में ऐसी मानसिकता साफ दिखाई देती है। साल 2017 में कंसास में इंजीनियर श्रीनिवास कुचिभोटला की हत्या ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक आक्रोश पैदा किया था। हमलावर ने गोली चलाने से पहले कथित रूप से कहा था, "अपने देश वापस जाओ।" इसी तरह वॉशिंगटन में दीप राय नामक सिख व्यक्ति पर गोली चलाने वाले हमलावर ने भी विदेशी विरोधी टिप्पणी की थी। इन घटनाओं ने यह सवाल उठाया कि क्या अमेरिका के समाज में विदेशी मूल के लोगों के प्रति असहिष्णुता बढ़ रही है। कुछ घटनाएँ इतनी भयावह थीं कि उन्होंने पूरे भारतीय समुदाय को हिला दिया। साल 2022 में कैलिफोर्निया में भारतीय मूल के एक सिख परिवार-जसदीप सिंह, उनकी पत्नी जसलीन कौर, आठ महीने की बच्ची और भाई अमनदीप सिंह का अपहरण कर हत्या कर दी गई। साल 2026 में पंजाब के अवतार सिंह का कैलिफोर्निया में अपहरण कर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार यह संभवतः पहचान की गलती का मामला था।

रहस्यमयी मौतें और लंबी जांच- कुछ घटनाएँ ऐसी भी हैं जिनमें मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए। 2024 में परुचुरी अभिजीत का शव जंगल में एक कार के अंदर मिला। इसी वर्ष समीर कामथ और नील आचार्य जैसे छात्रों की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई। इन घटनाओं में कुछ सड़क दुर्घटनाएँ भी शामिल हैं, लेकिन उनमें भी विवाद सामने आए। 2023 में सिएटल में भारतीय छात्रा जाह्नवी कंदुला की मौत एक पुलिस वाहन की टक्कर से हो गई। बाद में एक पुलिस अधिकारी की कथित हंसी से जुड़ा ऑडियो सामने आया, जिसने इस मामले को और विवादित बना दिया। 2019 में टेक्सास में दो भारतीय छात्राओं की हिट-एंड-रन दुर्घटना में मौत हो गई थी। रिपोर्ट में तीन ऐसे मामले भी दर्ज हैं जिनमें भारतीयों पर हमला हुआ लेकिन वे बच गए। 2025 में शिकागो में एक भारतीय छात्र को कार में बैठे-बैठे गोली मार दी गई। 2024 में एक अन्य छात्र पर चार हथियारबंद लुटेरों ने हमला किया। ये घटनाएँ दिखाती हैं कि खतरा केवल जान जाने तक सीमित नहीं है।

भारतीय समुदाय की बढ़ती चिंता- अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों की संख्या लगभग 50 लाख से अधिक है। यह समुदाय तकनीक, चिकित्सा, शिक्षा और व्यापार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेकिन लगातार सामने आ रही घटनाओं ने इस समुदाय के बीच असुरक्षा की भावना को बढ़ा दिया है। भारत में भी उन परिवारों के बीच चिंता बढ़ रही है जिनके बच्चे पढ़ाई के लिए अमेरिका जाते हैं। इन घटनाओं के बाद कई मामलों में अमेरिकी पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया और जांच भी की।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्य में सुधार करने में रहेगा। आज बच्चे आपने माता पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगे और बात भी मानेंगे। उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलेगा। बिजनेस में बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। आज आप कुछ नया काम स्टार्ट करने की सोच सकते है, लेकिन शुरू करने से पहले अपनों से बड़ों की सलाह जरूर ले लें।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज इस बात का खास ख्याल रखें की दूसरों से तभी दोस्ती करें और अपनी बाते शेयर करें जब उसके बारे में पूरी जानकारी कर लें और उसे भली-भांति समझ लें। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। पिता आपके बिजनेस में आपका सहयोग करेंगे।

मिथुन राशि : आज का दिन खुशियां लेकर आया है। अपनी सकारात्मक सोच को सार्थक कामों में लगायेंगे तो आपकी रचनात्मक प्रतिभा सबके सामने खुलकर आएगी, लोगों के बीच आपका सम्मान बढ़ जायेगा। आज घर पर किसी चीज की मरम्मत करानी पड़ेगी। महिलाओं को घर के कार्यों से राहत मिलेगी। आज का आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा। शाम का समय भाई बहनों के साथ हंसी-मजाक में बीतेगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगे। आज काम के हिसाब से फल मिलेंगे। जिस बड़े लक्ष्य को पूरा करने की इच्छा है, उससे संबंधित रास्ता मिलेगा। समय का सही इस्तेमाल करके काम पूरा करें। आज सभी जरूरी काम आसानी से पूरा कर लेंगे।

सिंह राशि : आज का दिन आपके जीवन में खुशियाँ लेकर आया है। आज बच्चों को करियर के मामले में बड़ी खुशखबरी मिलेगी। अपने से बड़ों की बातें ग़ौर से सुनें, भविष्य में आपके लिए फायदेमंद रहेगी। युवाओं को बढ़िया नौकरी मिलने की संभावना बन रही है। कारोबार में तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। जो लोग राजनीति से जुड़े हुए हैं उन्हे पुराने किये गये कार्यों में वाह-वाही मिलेगी।

कन्या राशि : आज का दिन फायदेमंद साबित होने वाला है। आज आपको पहले किये गये छोटे-मोटे कार्यों से भी पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा। सफलतायें छोटी ही सही लेकिन निरंतर बनी रहेंगी इससे आपका सकारात्मक विचार बनेगा। ऑफिस के कार्यों को करते समय फोकस बनायें रखें।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज ऑफिस में सहयोगी आपके विचारों से प्रभावित होंगे, लेकिन दूसरों के कामों में दखल देने से आपको बचना चाहिए। आज अपने काम को आसान तरीके से करने का रास्ता निकाल लेंगे। नई योजना पर काम शुरू हो सकता है। परिवार की जिम्मेदारी सही तरीके से निभाएंगे, जिससे प्रसन्नता बनी रहेगी। पैसों से संबंधित चिंता दूर होगी।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपका रुका काम पूरा होने से मानसिक शांति मिलेगी। आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। आज आपकी इच्छा शक्ति मजबूत बनी रहेगी। आज आपको अपने अन्दर इगो लेन से बचना होगा।

धनु राशि : आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। करीयर को बढ़ाने मे किये गये प्रयासों के चलते लाभ होगा। आज अपने प्रिय व्यक्ति की निकटता से आपको खुशी होगी। आज आपकी अच्छी छवि निखर कर लोगों के सामने आयेगी। संतान की सफलता के कारण, घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। शाम को जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थित मजबूत बनी रहेगी, आप सामान की खरीददारी करने मार्केट जा सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों का समय अनुकूल है, मेहनत के अच्छे परिणाम आपको हासिल होंगे।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज रुका हुआ धन वापस मिलेगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। आज आप समाजिक कार्यों में सहयोग देने की सोचेंगे। आज परिस्थितियों को ठीक से देखेंगे तो हर एक समस्या को हल कर पाएंगे। किसी जरूरी काम से की गई यात्रा सुखद रहेगी।

मीन राशि :आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। अचानक हुए धन लाभ से आज अपनी जरूरत का सामान खरीदेंगे। दांपत्य जीवन में और मधुरता आएगी। आज नकारात्मक विचारों को दूर करके खुद में सुधार करेंगे। आज गुस्से को नियंत्रित करने की कोशिश करें। आज आपको काम की जगह नए अवसर मिलेंगे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

वैभव को एशियाई खेलों के लिए मिल सकती है भारतीय टीम में जगह

एजेंसी, मुम्बई

उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस भारतीय सीनियर क्रिकेट टीम से डेब्यू का अवसर मिल सकता है। इसका कारण है कि इस साल भारतीय टीम का काफी व्यस्त कार्यक्रम है और उसे अपनी धरती के साथ ही विदेशी मैदानों पर भी काफी क्रिकेट खेलना है। इसी को देखते हुए ये भी हो हो सकता है भारतीय बोर्ड दो टीमें उतारे जिस एक अनुभवी और दूसरी युवा क्रिकेटरों से भरी रहेगी। उसे जून से लेकर अक्टूबर तक लगाता कई टीमों से खेलना है। इसी दौरान उसे जिम्बाब्वे के अलावा नई टीम आयरलैंड से भी खेलना है। वैभव ने पिछले कुछ समय से भारतीय अंडर 19 के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इसी को देखते हुए उन्हें इस साल के अंत में एशियाई खेलों में उतरने का अवसर मिल सकता है। वर्तमान कार्यक्रम के अनुसार भारतीय टीम को जून में अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय मुकाबले खेलने हैं, जिसके बाद जुलाई में वह सीमित ओवरों के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी। भारतीय टीम इस दौरान 5 टी20 के साथ ही 3 एकदिवसीय मैच खेलेगी। इसके अलावा इस व्यस्त कार्यक्रम के बीच दो नए दौरे भी जुड़ सकते हैं। इंग्लैंड पहुंचने से पहले भारत डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ तीन टी20 मैचों की छोटी सीरीज खेल सकता है। वहीं श्रीलंका क्रिकेट समुद्री तूफान 'दित्वह' से हुए नुकसान की कमी पूरी करने के लिए भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों से पहले तीन टी20 मैच खेलने का अनुरोध कर सकती है। वहीं भारतीय टीम को सितंबर में अपनी ही धरती पर वेस्टइंडीज से 3 एकदिवसीय और 5 टी20 खेलने हैं। इसके अलावा यूएई में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। इसी समय जापान में 2026 एशियाई खेल 25 सितंबर -3 अक्टूबर के बीच होने हैं। भारतीय टीम ने पिछली बार एशियाई खेलों में पदक जीता था जिसे वह बरकरार रखने के लिए अच्छी टीम के साथ उतरेगी। ऐसे में वह जिम्बाब्वे के साथ तीन टी20 मैचों की सीरीज के लिए दूसरी टीम के साथ उतरेगी। टी20 विश्वकप जीतने के बाद अब भारतीय टीम 2027 एकदिवसीय विश्वकप जीतना चाहेगी। इसी को देखते हुए सीरीज श्रीलंका, जिम्बाब्वे, आयरलैंड के खिलाफ टी20 और एशियाई खेलों में सीनियर खिलाड़ियों को आराम देते हुए उनकी जगह पर वैभव सूर्यवंशी और प्रियांश आर्या जैसे उभरते खिलाड़ियों को अवसर दिया जा सकता है। प्रियांश ने घरेलू क्रिकेट और टी20 प्रारुप में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है।

आईपीएल 2026: नई टीम के साथ कुछ नया बनाने की कोशिश करेंगे-ऋषभ पंत

एजेंसी, नई दिल्ली

ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की तैयारी शुरू कर दी है। टीम के नए खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कप्तान पंत ने कहा कि सभी को एक-दूसरे से सीखते हुए इस सीजन के लिए कुछ नया बनाने की कोशिश करनी चाहिए। एलएसजी की ओर से साझा किए गए एक वीडियो में पंत ने नए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि टीम में पिछले साल के कई खिलाड़ी मौजूद हैं, जबकि कुछ नए चेहरे भी जुड़े हैं। ऐसे में सभी को आपस में बेहतर तालमेल बनाकर आगे बढ़ना होगा। पंत ने कहा, "हम सबको यहां मौजूद हर खिलाड़ी से जितना संभव हो उतना सीखने की कोशिश करनी चाहिए। अगर हम क्रिकेट के बारे में बातचीत नहीं करेंगे तो सुधार भी नहीं कर पाएंगे। इस सीजन के लिए हमें मिलकर कुछ बेहतर बनाने की कोशिश करनी होगी।" पिछले दिसंबर में हुए मिनी ऑक्शन में लखनऊ ने कई नए खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया। इनमें श्रीलंका के स्टार ऑलराउंडर वानिन्दु हसरंगा, दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नाट्र्जे, मुकुल चौधरी, नमन तिवारी, अक्षत रघुवंशी और ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिश शामिल हैं। इसके अलावा टीम ने ट्रेड के जरिए अर्जुन तेंदुलकर और भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को भी अपने साथ जोड़ा है। पंत की अगुवाई में पिछले सीजन में लखनऊ का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। टीम ने लीग चरण में केवल छह मैच जीते और अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही। हालांकि आखिरी लीग मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पंत ने नाबाद 118 रन की शानदार पारी खेली थी, लेकिन टीम को इसका फायदा नहीं मिल सका। पंत ने कहा कि किसी भी सीजन की शुरुआत में टीम का लक्ष्य जीतना होता है, लेकिन खिलाड़ियों के लिए यह भी जरूरी है कि वे अपने व्यक्तिगत और टीम के लक्ष्यों को लेकर स्पष्ट रहें। उन्होंने बताया कि अभी यह प्री-सीजन कैंप जैसा है, क्योंकि बाकी खिलाड़ी 15-16 मार्च के आसपास टीम से जुड़ेंगे। आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स अपने अभियान की शुरुआत 01 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में करेगी। इसके बाद टीम 05 अप्रैल को हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबला खेलेगी।

इंडियन वेल्स 2026: स्वितोलिना ने स्वियातेक को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह, साबालेंका और सिनर भी आगे

एजेंसी, मैक्सिको सिटी

यूक्रेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलीना स्वितोलिना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पोलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी इगा स्वियातेक को 6-2, 4-6, 6-4 से हराकर इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं विश्व नंबर एक आर्यना साबालेंका भी क्वार्टरफाइनल जीतकर अंतिम चार में पहुंच गईं। मैच की शुरुआत में स्वियातेक लय में नहीं दिखीं और उन्होंने पांच डबल फॉल्ट किए। इसका फायदा उठाते हुए स्वितोलिना ने तीन बार सर्विस ब्रेक करते हुए मात्र 38 मिनट में पहला सेट 6-2 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में स्वियातेक ने शानदार वापसी की और मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचाया। हालांकि तीसरे सेट में स्वितोलिना ने एकमात्र सर्विस ब्रेक हासिल कर बढ़त बना ली और आत्मविश्वास के साथ मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। जीत के बाद स्वितोलिना ने कहा कि यह मुकाबला बेहद कठिन था और स्वियातेक हमेशा उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए मजबूर करती हैं। उन्होंने बताया कि सात साल बाद इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचकर वह बेहद खुश हैं। महिला वर्ग में शीर्ष वरीय आर्यना साबालेंका ने कनाडा की 19 वर्षीय खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको को 7-6 (0), 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले सेट के टाईब्रेक में साबालेंका ने बिना कोई अंक गंवाए जीत दर्ज की। अब साबालेंका का सामना चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा से होगा। नोस्कोवा ने ऑस्ट्रेलिया की क्वालीफायर तालिया गिब्सन को 6-2, 4-6, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पुरुष एकल वर्ग में जर्मनी के चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फ्रांस के आर्थर फिल्स को 6-2, 6-3 से हराया। अब उनका सामना इटली के विश्व नंबर दो खिलाड़ी यानिक सिनर से होगा, जिन्होंने अमेरिका के लर्नर टियन को 6-1, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

धोनी का निचले क्रम पर उतरना सहित नहीं : पुजारा

» ऊपर क्रम पर बदल सकते हैं मैच

एजेंसी, चेन्नई

बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी भले ही 44 साल के हो गये हैं पर इसके बाद भी उनके खेलने से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को लाभ ही होगा। पुजारा के अनुसार धोनी अगर 20 से 30 गेंदों का भी सामन करते हैं तो भी वह मैच बदल सकते हैं। गौरतलब है कि बढ़ती उम्र और फिटनेस की दिक्कतों के कारण धोनी पिछले कुछ समय से निचले क्रम पर ही उतर रहे हैं पर पुजारा का मानना है कि ये सही नहीं है। उनका कहना है कि धोनी का निचले क्रम पर खेलने का फैसला सही नहीं है। वह ऊपरी क्रम पर टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं। पुजारा ने कहा, 'मुझे धोनी के नंबर 8 या 9 पर बल्लेबाजी करना सही नहीं दिखता क्योंकि आज भी उनकी बल्लेबाजी ऐसी है कि वह मैच का रुख मोड़ सकते हैं। निचले क्रम पर अगर वह सिर्फ 5 या 10 गेंद खेलकर ही प्रभावित कर सकते हैं तो 25 या 30 गेंदें खेलने पर तो तूफान ही मचा देंगे।.' पुजारा का मानना है कि धोनी जिस प्रकार के हिटर हैं उसको देखते हुए उन्हें ऊपरी क्रम पर भेजा जाना चाहिये। पुजारा ने कहा कि सीएसके के ड्रेसिंग रूम का माहौर काफी अच्छा रहता है। इसी कारण टीम और खिलाड़ी एक दूसरे के प्रति समर्पित रहते हैं। खिलाड़ियों को मालूम होता है कि उनसे टीम किस प्रकार की उम्मीदें करती है। इसी कारण सीएसके में रहने वाला हमेशा उसके साथ बना रहता है। वहीं टीम के सीईओ काशी विश्वनाथन के अनुसार हमेशा ही आईपीएल से पहले धोनी की फिटनेस और उनके हर मैच खेलने को लेकर भी अटकलें रहती हैं पर ये तय है कि वह अंतिम ग्यारह में बने रहेंगे।

पिछले विश्वकप की तरह खेलते तो शायद ही जीत मिलती : सूर्यकुमार

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि समय के साथ ही खेल की रफ्तार भी बदल रही है, ऐसे में आक्रामक अंदाज अपनाना सफल रहा। वहीं अगर अगर भारतीय टीम पिछले टी20 विश्व कप की तरह खेलती तो उसे इसबार शायद ही जीत मिलती। सूर्या का कहना है कि पिछली बार जब रोहित शर्मा और विराट कोहली के समय भारतीय टीम जीती थी तब हालात अलग थे। वहीं अब अलग हैं। कप्तान रोहित और कोच राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में भारतीय टीम का खेल बेहद संतुलित और अनुभव पर आधारित माना जाता था। यह रणनीति 2024 तक प्रभावी रही पर दो साल बाद टी20 क्रिकेट की बदलती मांगों के सामने यह थोड़ी धीमी और पारंपरिक लगने लगी। इसी कारण सूर्यकुमार और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इस बार खिलाड़ियों को निडर होकर खेलने को कहा। इससे टीम में यह साफ संदेश दिया गया कि अब कोई भी खिलाड़ी निजी उपलब्धियों के पीछे न जाकर टीम की जीत के लिए खेलेगा। इसी कारण जरूरत के अनुसार किसी भी खिलाड़ी को किसी भी क्रम पर उतारा गया। सूर्यकुमार ने कहा, हमें पता था कि 2024 टी20 विश्व कप में जिस तरह का क्रिकेट हमने खेला था, वह आगे काम नहीं करेगा। इसलिए हमने तय किया कि अब व्यक्तिगत रिकॉर्ड पर ध्यान नहीं देंगे, हमारा ध्यान सिर्फ मैच जीतना होगा। इसी कारण सेमीफाइनल तक हमारे किसी भी खिलाड़ी का नाम सबसे ज्यादा रन बनाने वालों या सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों की सूची में नहीं था पर इसके बाद भी हम जीत रहे थे। इस कारण है कि हर खिलाड़ी योगदान दे रहा था। उन्होंने आगे कहा कि इस सोच को टीम में शुरू से ही मजबूत करना जरूरी था।वहीं भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक से भी माना है कि साल 2024 और 2026 की टीमों के बीच अंतर था। उनका मानना है कि 2024 की टीम अनुभव से भरी थी पर उसमें इतनी आक्रामकता नहीं थी। तब रोहित आक्रामक होकर खेलते थे जबकि विराट एक छोर संभाले रहते थे। वहीं अब टीम में कम अनुभव वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन उनमें आक्रामकता और आत्मविश्वास भरा हुआ है।

व्यापार

शेयर बाजार में गिरावट जारी, शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल भी ऊपर नीचे होने लगी। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.17 प्रतिशत और निफ्टी 1.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हिंदुस्तान यूनिलीवर, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, आईटीसी और भारती एयरटेल के शेयर 1.09 प्रतिशत से लेकर 0.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, लार्सन एंड टूब्रो, जेएसडब्ल्यू स्टील और इंटरग्लोब एविएशन के शेयर 3.10 प्रतिशत से लेकर 1.85 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,617 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 559 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,058 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 6 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 24 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 8 शेयर हरे निशान में और 42 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 590.20 अंक की कमजोरी के साथ 75,444.22 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से थोड़ी ही देर में इस सूचकांक ने 75,316.86 अंक के स्तर तक गोता लगा दिया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स उछल कर 75,576.20 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। इसके बाद एक बार फिर बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल और कमजोर होती चला गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 891.28 अंक टूट कर 75,143.14 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 176.65 अंक लुढ़क कर 23,462.50 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा। खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी उछल कर 23,492.40 अंक तक पहुंचा। वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 23,344.20 अंक के स्तर तक गोता भी लगा दिया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 293.10 अंक की कमजोरी के साथ 23,346.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स 829.29 अंक यानी 1.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,034.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 227.70 अंक यानी 0.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,639.15 अंक के स्तर पर गुरुवार के कारोबार का अंत किया था।

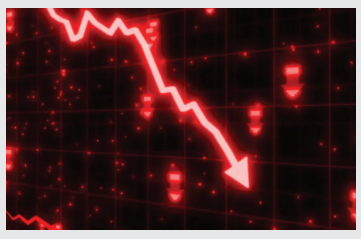

सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना आज 1,020 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में आज 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,62,210 रुपये से लेकर 1,62,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,48,690 रुपये से लेकर 1,48,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,62,360 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,62,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,62,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,62,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,48,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,62,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,62,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,62,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,48,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,62,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,62,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,62,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

देश में पिछले माह यात्री वाहनों की थोक बिक्री 10.6 फीसदी बढ़ी : सियाम

नई दिल्ली। देश में घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री फरवरी में सालाना आधार पर 10.6 फीसदी बढ़कर 4,17,705 इकाई पर पहुंच गई। फरवरी 2025 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3,77,689 इकाई रही थी। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अनुसार फरवरी महीने में दोपहिया वाहनों की बिक्री 35.2 फीसदी बढ़कर 18,71,406 इकाई हो गई जबकि पिछले वर्ष इसी महीने यह 13,84,605 इकाई थी। इसके अलावा तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री पिछले महीने 29 फीसदी बढ़कर 74,573 इकाई हो गई, जो फरवरी 2025 में 57,788 इकाई थी। सियाम के मुताबिक पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से विनिर्माण एवं निर्यात प्रभावित हो सकते हैं। सियाम भारत में वाहन और इंजन निर्माताओं का प्रतिनिधित्व करने वाली एक शीर्ष संस्था है, जो नीति निर्धारण, तकनीकी प्रगति और टिकाऊ मोबिलिटी पर काम करती है। यह ऑटो उद्योग को सरकार के साथ जोड़ती है, वाहन सुरक्षा और स्थिरता के लिए जिम्मेदार है।

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों के दूसरे बैच को लोकसभा की मंजूरी

नई दिल्ली। लोकसभा ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों (दूसरा बैच) को अपनी मंजूरी दे दी है। विपक्ष के हंगामे के कारण बार-बार स्थगित होने के बाद लोकसभा ने शुक्रवार को विनियोग विधेयक 2026 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस विधेयक का उद्देश्य वित्त वर्ष 2025-26 की सेवाओं के लिए भारत की संचित निधि से कुछ अतिरिक्त राशियों के भुगतान और विनियोग को अधिकृत करना है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को सदन से वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुदान की दूसरी अनुपूरक मांग के माध्यम से 2.81 लाख करोड़ रुपये के सकल अतिरिक्त व्यय के लिए संसद की मंजूरी मांगी थी, जिसमें 2.01 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध नकद राशि शामिल है। सकल अतिरिक्त व्यय की भरपाई मंत्रालयों एवं विभागों के 80,145.71 करोड़ रुपये बचत या बढ़ी प्राप्तियों व रिकवरी से की जाएगी। सीतारमण ने लोकसभा में 'अनुदान की अनुपूरक मांगें 2025-26 के लिए दूसरा बैच' पर हुई बहस का जवाब देते हुए कहा कि आर्थिक स्थिरीकरण कोष से भारत को वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने के लिए वित्तीय सुदृढ़ता मिलेगी। वित्त मंत्री ने कहा कि इस अनुदान की अनुपूरक मांग में 41,430.48 करोड़ रुपये रक्षा सेवाओं के राजस्व के लिए देने का प्रस्ताव है। लोकसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों के दूसरे बैच पर हुई चर्चा के जवाब में सीतारमण ने कहा वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत का राजकोषीय घाटा संशोधित अनुमानों (आरई) के दायरे में ही रहेगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में हमने अनुदान की अनुपूरक मांगों को दो तक सीमित रखा है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा को बताया कि एमजीएनआरईजीए जब वीबी-जी रैम-जी विधेयक लाया गया था, तब 95,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था, जिसे 1 अप्रैल से लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अनुदान की अनुपूरक मांगों के तहत अतिरिक्त 30,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। सीतारमण ने चर्चा के दौरान कहा कि मनरेगा-वीबी-जी-राम जी के प्रति हमारी प्रतिबद्धताएं पूरी की जा रही हैं।" वित्त मंत्री ने पीठासीन अध्यक्ष की ओर मुखातिब होकर अनुपूरक मांगों पर जबाब देते हुए कहा कि सर विपक्ष के लोग मुझे सुन नहीं रहे हैं। उन्हें कोई समझ नहीं है। यही लोग फिर खड़े होकर पूछेंगे कि मनरेगा के लिए इस सरकार ने क्या दिया है और कहेंगे कि मनरेगा का फंड कम कर दिया गया है। ऐसे में मुझे समझ नहीं आता कि मैं अपना गुस्सा कैसे नियंत्रित करूं। वित्त मंत्री ने सदन को बताया कि किसानों के लिए फ़र्टिलाइज़र सब्सिडी की कोई कमी नहीं होगी।

रुपया 12 पैसे टूटकर 92.37 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया गुरुवार को 92.36 के नए निचले स्तर पर पहुंच गया था

मुंबई। रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 12 पैसे टूटकर अपने दिन के रिकॉर्ड निचले स्तर 92.37 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। बाजार के जानकारों ने कहा कि पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष के बीच वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के कोई संकेत न दिखने के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के मजबूत रुख, विदेशी निवेशकों द्वारा भारी बिकवाली और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोर रुझान ने रुपये पर और दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.33 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने दिन के रिकॉर्ड निचले स्तर 92.37 पर पहुंच गई जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया गुरुवार को कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.36 के नए निचले स्तर पर पहुंच गया था। सत्र के अंत में 24 पैसे टूटकर अपने सबसे निचले स्तर 92.25 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.77 पर रहा।

मेरी निजी जिंदगी के मुद्दों को लेकर चिंता न करें: थलापति विजय

साउथ के सुपरस्टार थलापति विजय की शादीशुदा जिंदगी में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। अफवाहें चल रही है कि 27 साल की शादी के बाद उनका पत्नी संगीता सोर्नालिंगम से तलाक हो सकता है। इन खबरों के बाद सोशल मीडिया और फिल्म जगत में उनके निजी जीवन को लेकर कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। अब इन अटकलों के बीच विजय ने पहली बार इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। हाल ही में अभिनेता एक महिला सम्मेलन में शामिल हुए, जहां उन्होंने अपनी निजी जिंदगी को लेकर चल रही चर्चाओं पर संक्षिप्त प्रतिक्रिया दी। विजय ने कहा कि उनके आसपास चल रही परेशानियों को लेकर लोगों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह उनके व्यक्तिगत मुद्दे हैं और वह खुद ही इनका समाधान निकाल लेंगे। विजय ने अपने प्रशंसकों से अपील करते हुए कहा कि वे इन बातों को लेकर परेशान न हों। अभिनेता ने आगे कहा कि उन्हें सबसे ज्यादा दुख तब होता है, जब वह देखते हैं कि उनके कारण उनके चाहने वाले तनाव में आ जाते हैं। विजय ने कहा कि उनके प्रशंसकों का समर्थन और प्यार ही उनके लिए सबसे बड़ी ताकत है और वह नहीं चाहते कि उनकी निजी जिंदगी की वजह से कोई भी परेशान हो। गौरतलब है कि इन दिनों विजय का नाम अभिनेत्री त्रशा क्रष्नन के साथ भी जोड़ा जा रहा है।

हाल ही में दोनों को एक शादी समारोह में साथ देखा गया था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनके कथित रिश्ते को लेकर अटकलें तेज हो गईं। हालांकि इस मामले में किसी भी पक्ष की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। वहीं, कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया जा रहा है कि विजय की पत्नी संगीता ने तलाक के लिए कोर्ट में याचिका दायर की है और अभिनेता के कथित एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का भी जिक्र किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विजय इस पूरे मामले को अदालत के बाहर ही सुलझाना चाहते हैं। (ईएमएस)

मिडलाइफ महिलाएं समझने लगती हैं अपनी वास्तविक कीमत : लिसा रे

सोशल मीडिया के जरिए कनाडाई-भारतीय अभिनेत्री लिसा रे महिलाओं के स्वास्थ्य, उम्र बढ़ने और जीवन से जुड़े कई अहम विषयों पर खुलकर अपने विचार साझा करती रहती हैं। उन्होंने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर मिडलाइफ को लेकर एक भावनात्मक और प्रेरणादायक पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने इस दौर को महिलाओं के जीवन का महत्वपूर्ण और सशक्त चरण बताया।लिसा रे ने अपने पोस्ट में लिखा कि जब शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर कम होने लगता है, तब महिलाओं के जीवन में कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। उनके अनुसार इस समय लोग दूसरों को खुश करने की पुरानी आदतों से बाहर निकलने लगते हैं और खुद पर संदेह करना भी धीरे-धीरे कम हो जाता है। उन्होंने कहा कि इस उम्र में मानसिक शांति सबसे अधिक महत्वपूर्ण लगने लगती है और व्यक्ति अपने लिए तय की गई सीमाओं और नियमों को ज्यादा मजबूती से स्वीकार करता है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि मिडलाइफ केवल शारीरिक बदलावों का दौर नहीं है, बल्कि यह वह समय भी होता है जब जीवन से कई अनावश्यक चीजें अपने-आप दूर होने लगती हैं। इस दौरान व्यक्ति कम माफी मांगता है और खुद को बार-बार साबित करने की जरूरत भी महसूस नहीं करता। उन्होंने लिखा कि इस उम्र में महिलाएं अपनी वास्तविक कीमत समझने लगती हैं और जरूरत पड़ने पर स्पष्ट रूप से 'ना' कहना भी सीख जाती हैं। इससे जीवन अधिक संतुलित और सुकूनभरा हो जाता है। अपनी बात को समाप्त करते हुए लिसा रे ने कहा कि मिडलाइफ को किसी संकट या परेशानी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उनके मुताबिक यह वह खास समय है जब एक महिला अपनी असली ताकत के साथ जीना शुरू करती है। यह जीवन की कहानी का दूसरा अध्याय होता है, जो पूरी तरह उसका अपना होता है और जिसमें वह पहले से कहीं ज्यादा आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ आगे बढ़ती है। बताया जाता है कि लिसा रे 1990 के दशक की जानी-मानी अभिनेत्री और मॉडल रही हैं। उन्होंने 1994 में फिल्म हंसते खेलते से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था, लेकिन उन्हें असली पहचान फिल्म कसूर से मिली। इसके बाद वह वाटर और आई केन नॉट थिंक स्ट्राइट जैसी फिल्मों में भी नजर आईं। (ईएमएस)

ड्रीमियाटा एंटरटेनमेंट कर रहे बडे प्रोजेक्ट पर काम

बॉलीवुड प्रोड्यूसर-एक्टर कपल रवि दुबे और सरगुन मेहता अपनी प्रोडक्शन कंपनी ड्रीमियाटा इंटरटैनमेंट के जरिए लगातार अलग तरह के कंटेंट पर काम कर रहे हैं। यह जोड़ी अब एक और बड़े प्रोजेक्ट की तैयारी में जुट गई है। ड्रीमियाटा एंटरटेनमेंट जल्द ही एक महत्वाकांक्षी पैन-इंडिया पंजाबी फिल्म बनाने जा रहा है, जिसमें सरगुन मेहता मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। एक इंटरव्यू के दौरान रवि दुबे ने कहा कि इस फिल्म की कहानी पंजाब की पृष्ठभूमि से निकलेगी, लेकिन इसे पूरे देश के दर्शकों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। रवि दुबे ने कहा कि अभी प्रोजेक्ट से जुड़ी ज्यादा जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा सकती, लेकिन यह एक बड़ी पैन-इंडिया फिल्म होगी और इसमें सरगुन मेहता लीड रोल में दिखाई देंगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रोजेक्ट को लेकर पूरी टीम बेहद उत्साहित है और इसे बड़े स्तर पर बनाने की योजना है।

रवि दुबे के मुताबिक उनकी टीम इस फिल्म के जरिए एक ऐसे जॉनर को सामने लाने की कोशिश कर रही है, जिसे भारतीय सिनेमा में अब तक पूरी तरह से एक्सप्लोर नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि फिल्म की कहानी का मुख्य ढांचा तैयार हो चुका है और स्क्रिप्ट पर तेजी से काम चल रहा है। इसके साथ ही फिल्म के एसेट्स और म्यूजिक से जुड़े काम भी शुरू कर दिए गए हैं। रवि ने कहा कि इस प्रोजेक्ट को लेकर टीम इतनी उत्साहित है कि कई बार रातों की नींद तक उड़ जाती है, लेकिन इस पूरी क्रिएटिव प्रक्रिया का वे भरपूर आनंद ले रहे हैं। साल 2025 ड्रीमियाटा एंटरटेनमेंट के लिए काफी सफल साबित हुआ। इस बैनर ने पंजाबी सिनेमा की चर्चित और सफल फिल्मों में से एक सुकुन 2 दर्शकों को दी।

वहीं सरगुन मेहता फिल्म सरबाला जी में भी मुख्य भूमिका में नजर आईं, जिसे दर्शकों से अच्छा प्रतिसाद मिला। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी इस बैनर ने मजबूत पहचान बनाई है। ड्रीमियाटा का यूट्यूब-फर्स्ट प्लेटफॉर्म ड्रीमियाटा ड्रामा लगातार लोकप्रियता हासिल कर रहा है। इस प्लेटफॉर्म पर अब तक 1.1 बिलियन से अधिक व्यूज और 9 बिलियन मिनट से ज्यादा वॉच टाइम दर्ज किया जा चुका है। इसके अलावा इस बैनर ने टीवी पर भी कई लोकप्रिय शो दिए हैं, जिनमें उडारियां, स्वर्ण घर और जुनूनियत जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। इसी बीच रवि दुबे अपने अभिनय करियर में भी नया कदम रखने जा रहे हैं। वह जल्द ही एक बड़े पौराणिक प्रोजेक्ट में भगवान राम के छोटे भाई लक्ष्मण का किरदार निभाते दिखाई देंगे। (ईएमएस)

ऋषिकेश में ट्रेकिंग ट्रिप पर पहुंचीं निकिता दत्ता

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री निकिता दत्ता उत्तराखंड के प्रसिद्ध आध्यात्मिक और पर्यटन स्थल ऋषिकेश में ट्रेकिंग ट्रिप पर पहुंचीं, जहां उन्होंने पहाड़ों की मनमोहक वादियों और प्राकृतिक सुंदरता के बीच रोमांचक ट्रेकिंग का अनुभव लिया। शेयर किए गए वीडियो में निकिता दत्ता आरामदायक ट्रेकिंग कपड़ों में नजर आ रही हैं और शांत माहौल में पहाड़ी रास्तों पर चलते हुए प्रकृति का आनंद लेती दिखाई देती हैं।

वीडियो में वह कभी ट्रेकिंग करते हुए तो कभी रास्ते में रुककर खूबसूरत नजारों को निहारती और आराम करती नजर आती हैं। अभिनेत्री का यह रिलैक्स और एडवेंचरस अंदाज सोशल मीडिया पर लोगों को खूब पसंद आ रहा है। पोस्ट के साथ निकिता ने अपने प्रशंसकों के लिए एक दिलचस्प सलाह भी दी। उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा कि अगर आप एडवेंचर करना चाहते हैं और घरवालों को चिंता से बचाना चाहते हैं, तो उन्हें अपने साथ ही ट्रिप पर ले जाएं। अभिनेत्री ने खासतौर पर ऋषिकेश में मौजूद सिंगटाली हाइक का जिक्र करते हुए कहा कि यहां आने वाले लोगों को इस ट्रेकिंग अनुभव को जरूर आजमाना चाहिए। उनके मुताबिक यह जगह प्रकृति प्रेमियों और रोमांच के शौकीनों के लिए बेहद खास है। बता दें कि निकिता दत्ता आज भले ही फिल्मों में सक्रिय हैं, लेकिन उन्होंने अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी। उन्होंने साल 2014 में फिल्म लेकर हम दिवाना दिल से बॉलीवुड में कदम रखा। इसके बाद 2015 में टीवी शो ड्रीम गर्ल्स से छोटे पर्दे पर शुरुआत की और 2016 में इक दूजे के वास्ते से उन्हें अच्छी पहचान मिली। बाद में उन्होंने गोल्ड, कबीर सिंह, द बिग बुल और डायबुक जैसी फिल्मों में काम किया। वह वेब सीरीज खाकी : द बिहार चेप्टर में भी नजर आ चुकी हैं। हाल ही में वह फिल्म ज्वेल थीफ में दिखाई दीं, जिसे नेटफलीक्स पर रिलीज किया गया था। (ईएमएस)

वेब सीरीज संकल्प में नजर आएंगी अभिनेत्री रूप दुर्गापाल

छोटे परदे की अभिनेत्री रूप दुर्गापाल अब ओटीटी डेब्यू करने जा रही हैं। जल्द ही अभिनेत्री आगामी वेब सीरीज संकल्प में नजर आएंगी। इस सीरीज में वे अभिनेता मोहम्मद जीशान अय्यूब की पत्नी माधुरी के किरदार में हैं। रूप ने अपने को-स्टार जीशान के अभिनय की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, जीशान बहुत ही शानदार अभिनेता है। एनएसडी से पढ़ाई करने और फिल्मों-वेब सीरीज में इतना अनुभव होने के कारण उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। उनके सीन्स को देखने का नजरिया, भाषा पर अच्छी पकड़ और एनर्जी ने मेरे साथ के सीन को बेहतर बनाया। मैं हर दिन सेट पर उनके आने का इंतजार करती थी। अभिनेत्री ने आगे सीरीज की पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने बताया कि शानदार कलाकारों के साथ काम करना ही उन्हें इस प्रोजेक्ट में शामिल होने के लिए उत्साहित कर रहा था। अभिनेत्री ने कहा, जब सबके पास अच्छा काम होता है, तो सेट पर और बाहर भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है।नाना पाटेकर सर और प्रकाश सर के साथ काम करना एक्टिंग, फिल्म बनाने और जिंदगी के कई पहलुओं को समझने जैसा था। मेघना मलिक से भी बहुत कुछ सीखा। हम लंच और डिनर के दौरान भी खूब बातें करते थे। वे न सिर्फ बेहतरीन एक्टर हैं, बल्कि बहुत अच्छे इंसान भी हैं। उन्होंने आगे बताया कि सीरीज के लिए उन्हें ऑफर कैसे मिला था। उन्होंने बताया, साल 2019 तक मैंने टेलीविजन से आगे जाने के बारे में ज्यादा नहीं सोचा था, लेकिन कोविड के दौरान सब कुछ बदल गया। लोगों को जाते

देखकर मुझे एहसास हुआ कि जिंदगी बहुत छोटी है। कुछ भी कहा नहीं जा सकता। तब मैंने फैसला लिया कि अब उन चीजों को आजमाना है जिनसे पहले डर लगता था। उत्तराखंड के अल्मोड़ा की रहने वाली अभिनेत्री रूप ने सिल्वर स्क्रीन पर परफॉर्म करने के अलावा, थिएटर में भी काम किया, जो उनके लिए नया था। उन्होंने थिएटर को लेकर अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए बताया, बिना कट, रीटेक के, महीनों रिहर्सल करके स्टेज पर परफॉर्म करना काफी अजीब था, लेकिन जिंदगी की अनिश्चितता ने मुझे हिम्मत दी। स्टेज पर खड़े होकर बिना किसी डर के परफॉर्म करना शानदार अनुभव था। इसी हिम्मत ने मुझे टीवी से आगे बढ़कर वेब सीरीज में आने की ताकत दी। अभिनेत्री का मानना है कि हर किसी का सफर अलग होता है और सब कुछ अपने सही समय पर ही होता है। उन्होंने कहा, शायद मेरा सफर ऐसा ही होना था। सालों की संख्या मायने नहीं रखती। मैं बहुत खुश हूं कि यह सब अपने आप हुआ। सीरीज का निर्देशन प्रकाश झा ने किया है। (ईएमएस)

Congress workers cook tea on Chulha during LPG shortage protest in Delhi

New Delhi, Agency: Congress workers on Friday staged a protest outside the Indian National Congress headquarters in Delhi, alleging a shortage of LPG cylinders and demanding the resignation of Union petroleum and natural gas minister Hardeep Singh Puri, according to Media.

The protesters accused the Centre of failing to ensure adequate supply of cooking gas and of misleading the public about the situation. As part of the demonstration, party workers set up a makeshift chulha (traditional stove) and prepared tea, raising slogans against the government and highlighting the difficulties faced by households due to the reported shortage.

Protesters claimed that many families across the country were struggling to obtain LPG cylinders and had been forced to revert to traditional cooking methods.

A Congress leader alleged that the crisis was the result of flawed policies of the central government. "The cylinder has disappeared from the kitchen of every household. Due to the wrong policies of the country's Prime Minister, somehow we have been forced into this gas shortage. Today in the country, people are standing in line for gas cylinders, and some are even fainting there," the leader said.

The leader further claimed that the situation had affected several establishments, including public canteens. "The condition of the people is such that today even the canteen of the Delhi High Court is closed due to the shortage of gas, but in Parliament they claim there is no shortage," he said.

Drawing parallels with earlier crises, the Congress leader added, "Just as people were made to stand in queues during demonetisation and oxygen shortages during the COVID-19 period, today the whole country is standing in line for gas cylinders." As the protest intensified, personnel from Delhi Police intervened and detained several workers participating in the demonstration.

Meanwhile, Congress MP Mohammad Jawed also questioned the government's claims on LPG availability, asking why prices had increased if there was no supply problem. "Be it demonetisation, lockdown, why have the rates (of LPG) been increased, if there is no problem? Why are people not getting LPG?" he said.

Enforcement directorate challenges interim bail granted to jawad ahmed siddiqui in money laundering case

New Delhi, Agency: Enforcement Directorate (ED) on Thursday challenged in Delhi High Court the two-week interim bail granted to Al Falah University group chairman Jawad Ahmed Siddiqui in a money laundering case, arguing that the trial court failed to consider his alleged involvement in the Red Fort blast case.

Appearing before Justice Saurabh Banerjee, ED contended that ill health of Siddiqui's wife was merely a "ruse" to secure relief and that the trial court's order was perverse and contrary to the mandate of Prevention of Money Laundering Act (PMLA).

The agency also argued that the trial court's observation that the couple's children could not return to India due to the ongoing crisis in West Asia was contrary to ground reality, noting that international travel continued daily. The high court issued notice to Siddiqui and listed the matter for further hearing on March 19.

Last week, the trial court granted Siddiqui interim bail for two weeks in a money laundering case linked to the alleged generation of illicit funds through fees paid by students of his Faridabad-based educational institution. The court took a humanitarian view, allowing him to attend to his wife, who is undergoing treatment for stage IV ovarian cancer.

Seeking cancellation of the bail, the ED said the accused's children could have returned if the situation was truly grave.

"Antecedents of this person were ignored. He is an accused in the Red Fort blast case and has links with individuals involved," the agency argued.

Minister felicitates Delhi Metro enthusiast for 24 year tradition of first rides

New Delhi, Agency: Union minister of state for housing and urban affairs Tokhan Sahu felicitated Anil Marwah, a dedicated metro enthusiast, for his 24-year tradition of riding the first train on all new corridors of Delhi Metro.

Media reported on Monday that Marwah (65) never missed riding Delhi Metro on the first day of any inauguration since Delhi Metro Rail Corporation began operations on an 8.4-km stretch on Dec 25, 2002. On Sunday, he completed his 41st inaugural ride on the first train from Deepali Chowk to Majlis Park, followed by his 42nd ride on the Majlis Park-Maujpur-Babarpur stretch.

Sahu said such stories reflect the strong emotional connection citizens developed with Delhi Metro. He described the metro as a transformative urban mobility solution and a symbol of India's modern infrastructure development. He also noted that the project was initiated during the tenure of the National Democratic Alliance govt led by former Prime Minister Atal Bihari Vajpayee, whose vision laid the foundation for modern metro rail systems in the country and triggered rapid expansion of metro networks nationwide.

Enforcement directorate challenges interim bail granted to jawad ahmed siddiqui in money laundering case

New Delhi, Agency: Enforcement Directorate (ED) on Thursday challenged in Delhi High Court the two-week interim bail granted to Al Falah University group chairman Jawad Ahmed Siddiqui in a money laundering case, arguing that the trial court failed to consider his alleged involvement in the Red Fort blast case.

Appearing before Justice Saurabh Banerjee, ED contended that ill health of Siddiqui's wife was merely a "ruse" to secure relief and that the trial court's order was perverse and contrary to the mandate of Prevention of Money Laundering Act (PMLA).

The agency also argued that the trial court's observation that the couple's children could not return to India due to the ongoing crisis in West Asia was contrary to ground reality, noting that international travel continued daily. The high court issued notice to Siddiqui and listed the matter for further hearing on March 19.

Probe ordered after release of accused in 80 kg charas seizure case

Sagar Suraj

Motihari/Sugauli: The East Champaran police have ordered a probe after three accused arrested in a case involving the seizure of 80 kg of charas were released, raising questions over the investigation and prosecution in the matter. The role of the then investigating officer (IO), the station house officer (SHO) of Sugauli police station and the prosecution officer will also be examined as part of the inquiry. East Champaran superintendent of police Swarn Prabhat has constituted a three-member committee to investigate the case. The panel comprises the DSP (Headquarters), the cyber DSP and the Sadar SDPO. According to police records, the alleged seizure was made on March 21, 2024, in the Sugauli police station area. An FIR (No. 123/24) was registered under the provisions of the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances (NDPS) Act, and three persons were arrested in connection with the case. Given the large quantity of the contraband, the case was considered a serious instance of organised drug trafficking. However, the matter came under scrutiny after the three accused were subsequently released by the court. Their release has triggered questions regarding the quality of the investigation and the handling of evidence. Police sources said the quick release of the accused in a case involving such a large seizure points towards possible lapses in investigation or weak prosecution. Preliminary inputs suggest that there may have been procedural shortcomings in the preparation of the seizure list, documentation of evidence and the case diary. It is also suspected that the prosecution may not have been able to present a strong case before the court.

In connection with the seizure of narcotics at Sugauli Railway Station in March 2025, the Economic Offences Unit (EOU) registered a First Information Report (FIR) against nine public servants—including the then GRP Station House Officer (SHO) Soti Kumar, RPF Outpost In-charge Rajiv Ratan Singh, the case's Investigating Officer (IO) and Police Inspector Prashant Kumar, RPF Assistant Sub-Inspector (ASI) Prabhu Hazra, Head Constable Ritesh Kumar Verma, Constable Govind Kumar Mahto, GRP Constable Mohammad Zakir, Constable Samir Alam, and the then Circle Officer Kundan Kumar—under various sections of the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita (BNS), including Section 59(1) of the NDPS Act. Two months after the incident, when the seized material was presented before the court, bricks were found inside the packets. A three-member inquiry committee—constituted by the Rail ADG and Police Headquarters to investigate the entire matter, and comprising Motihari ADM Shailendra Kumar Bharati, Samastipur RPF Commandant Sheikh Jan Ahmed Jani, and Muzaffarpur Rail SP Veena Kumari—submitted an inquiry report in which they deemed the procedure for preparing the seizure list to be suspicious. The report noted that the time recorded for the registration of the FIR in the case was incorrect; furthermore, despite the presence of all the concerned officers, the GRP SHO failed to sign the seizure list, and the weight and measurement certificate for the recovered items was found to be dubious.

The inquiry committee has been tasked with examining whether the seizure of 80 kg charas was properly documented, whether any irregularities occurred during the investigation process and whether negligence or possible collusion played a role in the release of the accused. Officials said the panel will scrutinise all relevant documents, including the seizure memo, case diary and other evidence, and may question the officers associated with the investigation. Based on the findings, departmental action, suspension or even the registration of a fresh case could be recommended against those found responsible. Drug seizure cases in East Champaran have drawn controversy in the past as well, and the outcome of the latest inquiry is likely to be closely watched.

21 guards suspended for failing to stop protesters at JNU

New Delhi, Agency: Jawaharlal Nehru University (JNU) has suspended 21 security personnel, including six senior supervisors, for up to seven days for failing to stop rusticated JNUSU office-bearers, barred from the campus for a year, from erecting an encampment on a campus lawn during the recent weeks-long class lockdown.

The encampment had become the site of a prolonged student sit-in against the vice chancellor's alleged casteist remarks, where protesters had organised open classes and gatherings attended by academics from other universities while regular classes on the campus remained disrupted.

The JNU administration told Media that the disciplinary action was ordered for "administrative reasons" as the suspended personnel had failed to discharge their duties during the protest period. Officials said several outsiders had managed to enter the campus and unknown vehicles without valid stickers were found parked near administrative buildings, raising security concerns.

A suspended supervisor, speaking on the condition of anonymity, said the staff were verbally informed about the decision without any formal written communication. "We were told that we had failed to stop protesting students from putting up the camp. The in-charge called 21 of us, including supervisors and guards, and said there was an order from the director of security to suspend us," the supervisor said, adding that all of them are contractual employees.

Prof Arun Sidram Kharat, director of the security department at JNU, said the action was taken for administrative reasons. "Some of the staff have been suspended for seven days. The decision was taken based on reports of lapses during the protest period," he said.

JNU Students Union condemned the suspensions and demanded that the guards be reinstated immediately.

Challenging heart procedure saves 40-minute-old girl

New Delhi, Agency: Doctors at a Delhi private hospital performed a minimally invasive cardiac procedure on a pre-term newborn barely 40 minutes after birth, restoring heart function in what doctors described as one of the most challenging neonatal cardiac emergencies they had handled.

The girl was born with a critically narrowed aortic valve, severely weakened heart muscle, and significant fluid accumulation around the heart - a combination of conditions that often carries a poor prognosis. The complication was first detected during a fetal ultrasound at 30 weeks of pregnancy at another city hospital.

After the diagnosis, the parents consulted specialists at Fortis Escorts Okhla, where a multidisciplinary team led by paediatric cardiologist Dr Neeraj Awasthy began planning an emergency intervention to save the unborn child.

At 31 weeks of pregnancy, the baby was delivered via caesarean section at the referral hospital. Within minutes, a team from Fortis Escorts - including paediatric cardiologists, neonatologists, anaesthetists and critical care staff - reached the facility. The newborn was intubated and stabilised within 15 minutes of birth before being prepared for the cardiac intervention.

HC questions blanket ban on protests at Delhi University

New Delhi, Agency: The Delhi High Court on Thursday declined to immediately stay the blanket prohibition on protests, demonstrations and processions across the Delhi University campus, but made it clear that such an absolute restriction cannot exist in law and requires closer scrutiny.

A Bench of Chief Justice D K Upadhyaya and Justice Tejas Karia asked Delhi University and the Delhi Police to file their responses to a petition filed by a law student challenging the ban imposed by the university administration.

During the hearing, the Bench said the order had already been in operation for some time and could continue for a short period until the court examined the matter in detail.

"Since when has this order been operating? Let it operate for 10 more days," the Bench observed, while directing the authorities to file their replies within a week. The matter has been listed for further hearing on March 25.

The court also issued notices to the Centre and two colleges affiliated with University of Delhi. Appearing for the university, the counsel submitted that the proctor's order imposing the ban was issued in view of a prohibitory order passed by the Delhi Police restricting the assembly of five or more persons in the North Campus area.

The Bench, however, questioned the rationale behind a complete prohibition on protests and demonstrations, observing that such sweeping restrictions may run contrary to the fundamental freedoms guaranteed under the Constitution.

At the same time, the court cautioned students against misusing their constitutional liberties. "This liberty can't be misused. It is only because of Article 19 that we are interfering. You need to conduct yourself fairly," the Bench remarked, indicating that a balance must be maintained between maintaining public order and protecting constitutional rights.

The police informed the court that the prohibitory order was initially issued for a month after intelligence inputs indicated the possibility of a clash between two student groups. The order was later extended till April 25.

The Bench responded that maintaining law and order was the responsibility of the police and questioned why controlled or regulated gatherings could not be permitted instead of imposing a blanket ban. "Permit meetings with restrictions. Take action if there is a violation, but won't a blanket ban on meetings be an infringement of Article 19?" the court asked.

The petition has been filed by Uday Bhadoriya, a student of the Campus Law Centre. The plea contends that the prohibition order issued on February 17 by the university proctor was arbitrary, vague and disproportionate, and was issued without consultation with the students' union, teachers' bodies or academic councils.

According to the petition, the ban has disrupted academic life, with seminars and student events cancelled or postponed, including several annual college festivals. The restriction followed two FIRs registered by the Delhi Police after clashes between student groups during a protest in February. In a separate incident on February 12, historian Irfan Habib had a bucket of water thrown at him while addressing a social justice programme on the campus.